हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 05.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 308 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की उपस्थिति में योजना एवं विकास विभाग के कार्य प्रगति की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

इन्नोवेटिव स्कीमों का बजट बढ़कर हुआ 5 करोड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों की उपस्थिति में योजना एवं विकास विभाग के कार्य प्रगति की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय मंत्री राधा कृष्ण किशोर और मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया कि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, बजटीय प्रावधानों और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्यान्वयन को धरातल पर उतारने के लिए कार्यों में तेजी लाएं। उन्होंने योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग (निगरानी) तथा जमीनी स्तर पर उनकी सतत प्रगति पर विशेष बल दिया ताकि निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त किया जा सके।

इन्नोवेटिव स्कीम का बजट ढाई गुना बढ़ा, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट' के तहत होगा काम

बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में इन्नोवेटिव स्कीमों को विशेष रूप से बढ़ावा देने और उन्हें गति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण बिंदु पर विभागीय सचिव ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इन्नोवेटिव स्कीम के तहत पूर्व में निर्धारित 2 करोड़ रुपये की राशि को अब ढाई गुना बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये किए जाने का नया प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष जानकारी साझा की कि राज्य में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट' (एक जिला, एक उत्पाद/परियोजना) के तहत हर जिले की विशेषता के अनुसार नई योजनाओं का चयन किया जाएगा, जिसके लिए एक व्यापक और प्रभावी कार्य योजना तैयार कर ली गई है। योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन को लेकर बुलाई गई इस उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में राज्य के विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार, विभाग की अपर सचिव विजया जाधव तथा अपर निदेशक-सह-अपर सचिव कृष्ण नंदन प्रसाद सहित कई अन्य तकनीकी और प्रशासनिक अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पीएमयू का होगा गठन, 60% से कम खर्च करने वाले विभागों की होगी कड़ी समीक्षा

प्रशासनिक सुधारों पर चर्चा करते हुए बैठक में पिछले 5 वर्षों से लगातार चली आ रही पुरानी योजनाओं की समीक्षा की गई और उनके क्रियान्वयन में सुधार लाने अथवा अनुपयोगी योजनाओं को समाप्त करने पर विचार किया गया। इसके साथ ही, सीएसएस स्कीम की सख्त मॉनिटरिंग और प्रशासनिक सपोर्ट के लिए एक विशेष पीएमयू का गठन करने पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजटीय प्रावधानों की समीक्षा करते हुए कम से कम 75% राशि खर्च करने के लक्ष्य पर बल दिया गया, जबकि 60% से कम बजट खर्च करने वाले सुस्त विभागों की पहचान कर उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाने की बात कही गई। इसके अलावा, राज्य के दीर्घकालिक विकास के लिए अगले 10 वर्षों का एक मजबूत 'विजन डॉक्यूमेंट' तैयार करने का भी महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुआ।

अंतर्विभागीय समन्वय से समयबद्ध तरीके से पूरी होंगी योजनाएं, विकास को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि योजना एवं विकास विभाग राज्य सरकार के अन्य सभी विभिन्न विभागों के साथ एक मजबूत समन्वय (को-ऑर्डिनेशन) स्थापित करे। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के साथ-साथ आगामी वित्तीय वर्ष की भी सभी लंबित और नई योजनाओं को पूरी तरह समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना आवश्यक है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का सीधा लाभ पहुँचाया जा सके।

मुजफ्फरपुर में अस्पताल में लगी आग 4 की मौत, 20 से ज्यादा गंभीर

एजेंसी

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित 'प्रसाद अस्पताल' में गुरुवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड में ताजा अपडेट के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 5 हो गई है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत हृदयविदारक बताया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को तत्काल प्रभाव से सभी मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान (मुआवजा) देने का कड़ा निर्देश जारी किया है। साथ ही उन्होंने स्थानीय प्रशासन को हादसे में घायल हुए 20 से अधिक मरीजों के मुफ्त और समुचित इलाज के लिए मुस्तैदी से काम करने को कहा है। प्रशासनिक और पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा गुरुवार तड़के करीब 3:20 बजे घटित हुआ, जब अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर स्थित सघन चिकित्सा इकाई में एक तेज धमाके के साथ वेंटिलेटर और मॉनिटर प्रणालियों में आग लग गई। देखते ही देखते जहरीला और दमघोंटू धुआं पूरे अस्पताल परिसर में फैल गया।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने 4 राज्यों के उम्मीदवारों की जारी की सूची

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा तय किए गए कार्यक्रम के अनुसार, आगामी अट्ठारह जून को देश के दस राज्यों की चौबीस राज्यसभा सीटों और तीन राज्यों की विधान परिषदों के लिए वोट डाले जाएंगे। मतदान की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद उसी दिन शाम को मतों की गिनती भी कर दी जाएगी। इसके साथ ही महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में रिक्त हुई सीटों पर उपचुनाव भी इसी दिन आयोजित किए जाएंगे।

इस चुनावी मुकाबले के लिए भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश से ताई तगाक को अपना उम्मीदवार बनाया है। देश के पश्चिमी राज्य गुजरात से पार्टी ने राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा और मानसिंह परमार पर भरोसा जताते हुए उन्हें मैदान में उतारा है। मध्य प्रदेश से तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल पार्टी की तरफ से अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इनके साथ ही राजस्थान से अलका गुर्जर और सतीश पूनिया तथा मणिपुर से ए. शारदा देवी को चुनावी टिकट दिया गया है। ओडिशा में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी ने देबाशीष सामंतराय को अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विश्व पर्यावरण दिवस, 2026

विश्व पर्यावरण दिवस हमें वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा करने की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का वैश्विक विषय "जलवायु परिवर्तन" (Climate Change) है, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने की तरफ समाज का ध्यान आकर्षित करता है। बढ़ते तापमान, अत्यधिक मौसमी परिवर्तन और जैव विविधता का क्षरण प्रकृति के स्पष्ट संकेत हैं, जो हमें ठोस एवं कारगर कदम उठाने को प्रेरित करते हैं।

झारखंड, जो वनों, नदियों और समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण है, भारत की पारिस्थितिक धरोहर में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हमारा कर्तव्य है कि हम इन प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें और साथ ही सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ें। सभी नागरिक यदि पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाएं, प्रदूषण कम करें, जल संरक्षण करें और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें, तो बहुत हद तक जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है।

हमारा राज्य पर्यावरणीय स्थिरता और हरित विकास को सशक्त बनाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वास्तविक प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है, चाहे वह वृक्षारोपण या ऊर्जा संरक्षण के द्वारा हो। एक छोटा सा प्रयास भी एक स्वच्छ और स्वस्थ झारखंड की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आइए हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हमारा राज्य प्रकृति के साथ सामंजस्य में फलता-फूलता रहे और राष्ट्र तथा विश्व के लिए जिम्मेदार पर्यावरणीय प्रबंधन का प्रेरणादायक उदाहरण बने।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड

पुलिस ने विशेष अभियान में तीन फरार वारंटियों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में अपराध और फरार वारंटियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के नेतृत्व में लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 3 जून 2026 की रात्रि विशेष समकालीन अभियान के तहत बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में छापेमारी कर तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद हजारीबाग जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटियों में जगदीश राणा (पिता लुरक राणा), निवासी तलसवार, बड़कागांव, दिनेश यादव (पिता बुला यादव), निवासी नापो कला तथा तापेश्वर यादव (पिता छटू यादव), निवासी नापो कला शामिल हैं। जगदीश राणा के विरुद्ध कोर्ट कंप्लेंट केस संख्या 1360/14 में धारा 376 एवं 323 भादवि के तहत वारंट जारी था। वहीं दिनेश यादव और तापेश्वर यादव गिद्दी थाना कांड संख्या 64/22 में धारा 414, 54 एवं 13 खनिज अधिनियम के तहत वांछित थे। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के स्पष्ट निर्देश के बाद जिलेभर में फरार अपराधियों और वारंटियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। आदेश मिलते ही बड़कागांव पुलिस सक्रिय हुई और रातभर छापेमारी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार की अपराध के प्रति सख्त नीति का असर जिले में साफ दिखाई दे रहा है।

फरार अभियुक्तों पर शिकंजा, पुलिस ने तीन वारंटियों को दबोचा

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र के सिलोदर गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई कांड संख्या सी(एफ) 418/09 के तहत की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में सिलोदर निवासी नारायण सिंह (पिता स्व. बूटाय सिंह), सुरेश भुइयां (पिता स्व. होरिल भुइयां) तथा सतन भुइयां उर्फ रामेश्वर भुइयां (पिता स्व. होरिल भुइयां) शामिल हैं। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी था और वे काफी समय से फरार चल रहे थे। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने सिलोदर गांव में छापेमारी कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है तथा आगे भी ऐसे अभियानों को जारी रखा जाएगा।

एक नजर

घर में घुसकर महिला से मारपीट थाना में आवेदन

बरही : बरही थाना क्षेत्र के बरियाड्डा गांव निवासी गायत्री देवी, पति उमेश कुमार यादव, उम्र 31 वर्ष एवं सीता देवी पति राजेश यादव ने बरही थाना प्रभारी को अलग-अलग दो लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि दिनांक 02.06.2026 बुधवार की रात करीब 12 बजे बरियाड्डा निवासी संजय यादव, उसकी पत्नी सुमित्रा देवी और मां समरी देवी, पति बलुनी यादव ने उनके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से मारपीट की, इस दौरान बीच-बचाव करने आई गौतनी सीता देवी के साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई। पीड़िता गायत्री देवी ने बताया कि उनका घर आरोपियों के घर से लगभग 300 मीटर दूर है और घायल होने के कारण उनका इलाज चल रहा है, उन्होंने बरही थाना प्रभारी से संजय यादव, सुमित्रा देवी व समरी देवी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। गायत्री देवी ने बताया कि उनके साथ साथ उनकी फुवा बुधनी मासोमत के साथ भी मारपीट की गई। जिसका इलाज बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया ।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध आरा मशीन जब्त

बरही : बरकट्ठा प्रखंड में पश्चिमी वन प्रमंडल हजारीबाग के निर्देश पर वन विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दुमदुमा परिसर के चोथे गांव में छापेमारी कर अवैध रूप से संचालित आरा मशीन को जब्त किया, वन प्रमंडल पदाधिकारी हजारीबाग के अनुश्रवण व वन क्षेत्र पदाधिकारी बरही को मिली गुप्त सूचना के आधार पर प्रभारी वनपाल बरकट्ठा के नेतृत्व में बरही, बरकट्ठा, चौपारण एवं हजारीबाग सदर वन क्षेत्र की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की, मौके से आरा मशीन जब्त कर ली गई है, वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अवैध आरा मशीन संचालक के विरुद्ध वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है, विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन क्षेत्र में अवैध कटाई और बिना अनुमति आरा मशीन संचालन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

विजैया पंचायत के सामाजिक कार्यकर्ता बंधन यादव का निधन, शोक की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विजैया पंचायत के ग्राम गुड़ियों निवासी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता बंधन यादव (82 वर्ष) का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। वे विंदेश्वरी यादव एवं राजेश यादव के पिता थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे पंचायत क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय बंधन यादव समाजसेवा और सामाजिक एकता के लिए जाने जाते थे। वे ग्राम गुड़ियों सहित पूरे विजैया पंचायत में होने वाले सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे तथा समाज को एकजुट रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सरल स्वभाव और समाज के प्रति समर्पण के कारण क्षेत्र में उनका विशेष सम्मान था। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष मो. कैयूम, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, सामाजिक कार्यकर्ता रघु मोदी, सहदेव शर्मा, विजय यादव, प्रकाश यादव, उमेश यादव, संतोष यादव, नारायण यादव, दिलीप यादव, अर्जुन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। शोक व्यक्त करते हुए मो कयूम ने कहा कि बंधन यादव का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान और सामाजिक कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा।

हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सांसद ने जताई गंभीर चिंता

- एसबीएमसीएच की बदहाली पर सांसद मनीष जायसवाल गंभीर, उनके निर्देश पर लोकसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने अधीक्षक से मिलकर सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के हजारीबाग नगर अवस्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं के घोर अभाव को लेकर हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने गंभीर है। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर गुरुवार को उनके संसदीय क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. के.के. सिंह से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की गंभीर लापरवाहियों और व्यवस्थागत कमियों को उजागर करते हुए एक शिकायती पत्र सौंपा। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह अस्पताल पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की जीवनरेखा है, लेकिन वर्तमान में प्रबंधन की लापरवाही के कारण यहां आने वाले गरीब और जरूरतमंद मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में स्थापित एक पीएसए ऑक्सीजन प्लांट लंबे समय से खराब पड़ा है, जिसके कारण मरीजों की जान पर बन आ रही है। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने अस्पताल के आपातकालीन और संवेदनशील ट्रॉमा सेंटर की स्थिति पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ट्रॉमा सेंटर को सिर्फ जूनियर डॉक्टरों के भरोसे छोड़ दिया जाता है, जिससे मरीजों को समय पर सही इलाज नहीं मिल पाता। उन्होंने यहां जरूरत के इम्प्लांट का रेट चार्ट डिस्प्ले कराने का आग्रह किया। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने इस मनमानी वसूली पर तुरंत रोक लगाने और डॉक्टरों को अधिकतर सरकारी दवाएं ही पर्चे पर लिखने के सख्त निर्देश जारी करने का आग्रह किया है।

विभावि में एफडीपी के तीसरे-चौथ दिन शिक्षण एवं एआई नवाचारों पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में पीएम ऊषा के अंतर्गत आयोजित 'समता-केंद्रित उच्च शिक्षाः भारतीय ज्ञान परंपरा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का एकीकरण' विषयक संकाय विकास कार्यक्रम के तीसरे एवं चौथे दिन आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचारों तथा समावेशी मूल्यांकन प्रणाली पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। इसकी जानकारी देते हुए पीएम-उषा के निदेशक डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि तीसरा दिन हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो मधुसूदन ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शिक्षण की विशेषताओं और चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। द्वितीय सत्र में इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुशाग्री सिंह ने "AI आधारित शिक्षण एवं Active Learning" विषय पर व्याख्यान दिया। चौथा दिन मूल्यांकन में भारतीय ज्ञान परंपरा, एआई और समानता पर मंथन किया गया। अमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ की एसोसिएट प्रोफेसर एवं बी.एड. प्रोग्राम लीडर डॉ. ऋतु त्रिपाठी चक्रवर्ती ने "IKS & AI in Assessment" तथा "Equity in Evaluation" विषयों पर व्याख्यान दिया। डॉ. चक्रवर्ती ने समावेशी एवं न्यायसंगत मूल्यांकन की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की पृष्ठभूमि, क्षमता और अधिगम शैली को ध्यान में रखकर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इसके पश्चात डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने "AI Analytics in Education" विषय पर व्याख्यान देते हुए शिक्षा में डेटा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला।

जनगणना मकान सूचीकरण कार्य का बीडीओ ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव के प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र मंडल ने चिल चिलाती धूप में भी जनगणना के कई एचएलबी क्षेत्र में दौरा किया। प्रखंड विकास अधिकारी ने बड़कागांव, देवगढ़, अंगों, डोंका टांड़,सीकरी, एनटीपीसी के त्रिवेणी सैनिक के वर्कर ब्लॉक आदि क्षेत्रों में निरीक्षण किया। भारत की जनगणना के मकान सूचीकरण कार्य में लगे प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से मकान सूचीकरण कार्य की गतिविधियों की जानकारी ली। देखा गया कि इस दौरान कई प्रगणक मकान सूचीकरण कार्य को अंतिम चरण तक कर रहे थे। तो कई प्रगणक मकान सूचीकरण कार्य का ऑनलाइन पूर्ण कर चुके हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र मंडल ने सभी सुपरवाइजरो एवं परगणकों को निर्धारित समय पर काम पूर्ण कर लेने की निर्देश दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ शिक्षक देवकांत शर्मा ,मो इजहार अली शामिल थे। मौके पर क्षेत्र में सुपरवाइजर रूपा स्वप्न, प्रगणक संजय सागर, रामवृक्ष राम,कमलेश श्रीवास्तव, देवदत्त कुमार आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

चलकुशा में सीएससी संचालकों ने हड़ताल का किया ऐलान, बीडीओ को सौंपा मांग पत्र

चलकुशा : प्रखंड के विभिन्न पंचायत सचिवालयों में संचालित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के संचालकों ने ई-गवर्नेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की कथित मनमानी और अनियमितताओं के विरोध में हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में संचालकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को हड़ताल पत्र सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। सीएससी संचालकों का आरोप है कि प्रखंड के सभी डिजिटल पंचायत ऑपरेटरों एवं पंचायत सचिवालयों में कार्यरत प्रज्ञा केंद्र संचालकों को पिछले दो वर्षों से पंचायत स्तर पर सीएससी प्रबंधन की ओर से आवश्यक संसाधन और सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई है। इसके कारण संचालकों में लगातार असंतोष बढ़ रहा है। संचालकों ने बताया कि अपनी मांगों के समर्थन में वे 1 जून 2026 से "डिजिटल हड़ताल" पर रहेंगे। इस दौरान वे ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे और संबंधित डिजिटल कार्यों का बहिष्कार करेंगे। हालांकि, आम लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए सीएससी केंद्रों के माध्यम से नागरिक सेवाओं का संचालन जारी रखा जाएगा, ताकि विभिन्न सरकारी एवं ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम उत्साह सह बागवानी मेल का हुआ आयोजन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड कार्यालय में बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम उत्साह सह बागवानी मेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रमुख फुलवा देवी, बीडीओ जितेंद्र कु मंडल, उप प्रमुख वचनदेव कुमार और पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर किया । कार्यक्रम का संचालन प्रभारी बीएओ भास्कर राज ने किया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने प्रखंड विकास पदधिकारी से ड्रिप इरीगेशन की सुविधा और कुसुम योजना के तहत सोलर सिस्टम व्यवस्था की मांग किया गया। किसानों को संबोधित करते हुए बीडीओ जितेंद्र कु मंडल ने कहा कि किसानों की उपज बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। साथ ही आम कृषकों को उनके आम की उचित मूल्य मिले उसके लिए बाजार का भी व्यवस्था किया जएगा। वहीं प्रमुख फुलवा देवी ने कहा कि जिला कि दिशा की बैठक में, मैं किसानों के पानी की समस्या को डीसी और डीडीसी से बात करके निदान करने का प्रयास करूंगी।कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, बीडीओ जितेंद्र कु मंडल, उप प्रमुख वचनदेव कुमार, कॉर्डिनेटर आशीष पासवान, एई सह प्रभारी बीपीओ ओम प्रकाश कुमार, भास्कर राज, प्रभारी पशु चिकित्सक उज्जवल कुमार, बीटीएम श्याम कृष्ण देव, प्रखंड वास समन्वय त्रिदेव कुमार, मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास, भीखन महतो, प्रभारी मुखिया राजदेव महतो, उप मुखिया सत्यदेव कुमार, बीपीएम रामप्रकाश कुमार, पंचायत सचिव अशोक नारायण तिवारी, अरविंद कु दांगी, मुकेश कुमार, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका इंदु कुमार, किरण कुमारी बेबी कुमारी, किसान प्रवीण कुमार, जितेंद्र कुमार, रामचंद्र कुमार जल सहिया प्रभावती देवी अंजू देवी के अलावा दर्जनों किसान उपस्थित थे।

जलवायु संतुलन के लिए बढ़े कदम, चौपारण की पंचायतों में लगे पौधे

चौपारण : पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित 'स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान' के तहत गुरुवार को प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पौधारोपण कर हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया। अभियान के तहत चौपारण पंचायत सचिवालय परिसर में मुखिया पिंकी देवी ने पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। वहीं बच्छई पंचायत भवन परिसर में मुखिया सह मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक ने पौधा लगाकर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण समय की आवश्यकता है। पेड़ न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और हरित चौपारण के निर्माण का संकल्प दोहराया गया।

मकानसूचीकरण कार्य युद्ध स्तर पर, चार्ज पदाधिकारी ने किया विभिन्न पंचायतों का औचक निरीक्षण

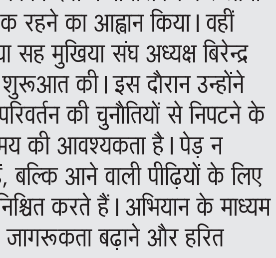

बरही: राष्ट्रीय महत्व के कार्य जनगणना 2027 के तहत बरही प्रखंड में मकानसूचीकरण का कार्य पूरी गति और पारदर्शिता के साथ चल रहा है। कार्य की गुणवत्ता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने खुद कमान संभाल ली है। उन्होंने प्रखंड की कई पंचायतों का सघन दौरा कर जमीनी हकीकत का जायजा लिया और फील्ड में मुस्तैदी से जुटे सुपरवाइजरों के कार्यों की सराहना की। जनगणना कार्य को त्रुटिहीन बनाने के लिए बरही का जनगणना कोषांग दिन-रात समर्पित है। कोषांग के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सभी प्रगणकों और सुपरवाइजरों को डिजिटल और भौतिक दोनों स्तरों पर लगातार मार्गदर्शन दिया जा रहा है। नजरी नक्शा की सूक्ष्म समीक्षा, सघन क्षेत्र भ्रमण और दूरभाष के माध्यम से तकनीकी समस्याओं का त्वरित निवारण किया जा रहा है। वर्तमान में मात्र 8 एचएलबी का कार्य शेष बचा है, जिसे समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सहायक चार्ज पदाधिकारी भी लगातार क्षेत्रों का भ्रमण कर पल-पल की रिपोर्ट ले रहे हैं। प्रशासन की इस सक्रियता से बरही में जनगणना कार्य शत-प्रतिशत सफलता की ओर अग्रसर है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एनएचआरए ने झारखंड में पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का किया आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार। महासचिव संजय सुमन,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव, राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पांडेय, प्रदेश संयोजक भरत यादव एवं प्रदेश सचिव प्रो. हीरामन साव ने संयुक्त बयान जारी कर पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिक संतुलन के लिए पौधारोपण को बेहद जरूरी बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने पूरे झारखंड में एक आह्वान किया है कि प्रत्येक व्यक्ति विश्व पर्यावरण दिवस पर कम से कम दो पौधे जरूर लगाएं। इससे पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन को बल मिलेगा। राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन ने कहा कि जिस तरह ग्लोबल वार्मिंग की समस्या गंभीर होते जा रही है। यह भविष्य के लिए गहरा संकट है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने का सबसे सरल व प्रभावी उपाय अधिक से अधिक वृक्षारोपण है, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव ने कहा कि हर नागरिक को अपने जन्मदिन, त्योहार व विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, प्रदेश संयोजक भरत यादव ने कहा कि जंगलों की अंधाधुंध कटाई से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है जिसे केवल जनभागीदारी से ही सुधारा जा सकता है।

एचजेडबी आरोग्यम कुणाल वूमेन एंड चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

जनता के विश्वास और सहयोग से अस्पताल ने सफलता का एक वर्ष पूरा किया : हर्ष अजमेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : एचजेडबी आरोग्यम कुणाल वूमेन एंड चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के स्थापना दिवस पर गुरुवार को अस्पताल परिसर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना, हवन एवं मंत्रोच्चारण का आयोजन किया गया। इसके बाद अस्पताल परिवार ने एक वर्ष की सफल यात्रा का उत्सव मनाया। पूरे परिसर में उत्साह, उल्लास और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। एक वर्ष पूर्व शुरू हुई इस स्वास्थ्य सेवा संस्था ने कम समय में ही क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। महिलाओं एवं बच्चों के उपचार के क्षेत्र में अस्पताल ने कई जटिल और चुनौतीपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक उपचार कर लोगों का विश्वास अर्जित किया है। बेहतर चिकित्सकीय सुविधाओं और विशेषज्ञ सेवाओं के कारण अस्पताल लगातार मरीजों की पहली पसंद बनता जा रहा है। स्थापना दिवस समारोह के दौरान अस्पताल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और सेवा भावना के लिए उन्हें प्रशस्ति देकर सम्मान प्रदान किया गया। सम्मानित होने वाले कर्मियों ने इसे अपने कार्य के प्रति प्रेरणा और जिम्मेदारी का सम्मान बताया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अस्पताल की एक वर्ष की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया। अस्पताल ने न केवल आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, बल्कि मरीजों के प्रति संवेदनशील और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा देने का भी प्रयास किया है। इसी का परिणाम है कि अल्प समय में ही अस्पताल ने लोगों के बीच अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि यह उपलब्धि अस्पताल परिवार के प्रत्येक सदस्य की मेहनत और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अस्पताल और अधिक आधुनिक सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे का विस्तार करेगा।

मुख्यमंत्री ने श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा योजना एवं विकास विभाग की कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

हर जिले में बनेगा एक मॉडल आईटीआई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा योजना एवं विकास विभाग की कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय मंत्री संजय प्रसाद यादव और मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित कई आला अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन कार्यक्रमों, कौशल विकास प्रशिक्षण, श्रमिक कल्याण तथा विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आधुनिक बनाने और सभी पात्र श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए कई कड़े और महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली से ही राज्य के श्रमिकों का उत्थान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

श्रमिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने असंगठित, निर्माण एवं प्रवासी श्रमिकों का अपडेटेड डाटा शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को अगले 3 माह के भीतर देश के किस राज्य में झारखंड के कितने श्रमिक क्या काम कर रहे हैं, इसकी पूरी जानकारी ई-श्रम पोर्टल पर सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही 'झारखंड राज्य प्रवासी सुलभ सहायता योजना' के तहत देश के बड़े महानगरों जैसे नोएडा, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई में 'प्रवासी सहायता केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जो देश के अन्य राज्यों और विदेशों में कार्यरत राज्य के श्रमिकों को आपातकालीन व प्रशासनिक सहायता प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने श्रमिक निबंधन कार्यों में तेजी लाने के लिए श्रम विभाग

को विशेष कैम्प लगाने का निर्देश दिया ताकि मनरेगा श्रमिकों सहित सभी कामगारों की ट्रैकिंग और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने श्रमिकों के लिए सेफ्टी किट (जूता, हेलमेट, ग्लव्स आदि) की राशि सीधे प्रदान करने और इसके लिए विशेष दुकानें चिन्हित करने की बात कही ताकि सामग्री आसानी से मिल सके। निर्माण कार्यों के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अब सभी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर श्रमिकों की सुरक्षा से संबंधित अनिवार्य बोर्ड लगाए जाएंगे। इसके अलावा श्रमिकों के लिए एक विशिष्ट ड्रेस कोड भी तय किया जाएगा ताकि उनकी पहचान सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विभाग कुछ ऐसी कार्य योजनाएं बनाए जिससे मजदूरों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और झारखंड को 'श्रमिक बेस्ड राज्य' के रूप में मिलने वाली पहचान से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने रोजगार के अभाव में होने वाले ग्रामीण पलायन को हर हाल में रोकने का लक्ष्य दिया। काम की तलाश में चौक-चौराहों पर एकत्र होने वाले मजदूरों के लिए मुख्यमंत्री ने 'श्रमिक प्वाइंट' चिन्हित कर वहां धूप और बरसात से बचाव के लिए शेड (श्रमिक पड़ाव) निर्माण का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि बीओसीडब्ल्यू बोर्ड के तहत इन श्रमिक पड़ावों को 'श्रमिक चौक-सह-सुविधा केंद्र' के रूप में बुनियादी सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है।

राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपग्रेड करने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नए कोर्स डिजाइन किए जाएं। राज्य के प्रत्येक जिले में एक आईटीआई को 'मॉडल आईटीआई' के रूप में विकसित कर उसकी ग्रेडिंग कराई जाएगी और वहां हाई वैल्यू कृषि कोर्स चालू किए जाएंगे। विद्यार्थियों को डिग्री लेकर भटकना न पड़े, इसके लिए एक मजबूत 'एम्प्लॉयमेंट चेन' विकसित कर प्लेसमेंट की प्रभावी व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके लिए बड़ी कंपनियों के विशेषज्ञों और निजी संस्थानों से सेवानिवृत्त अनुभवी लोगों की फैकल्टी के रूप में सेवाएं ली जाएंगी।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सीधे ग्राउंड रियलिटी की जांच की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईटीआई धनबाद के पूर्व छात्र सूरज कुमार से बात की, जो वर्तमान में जबलपुर के एक बड़े उद्योग में 70 हजार रुपये प्रति माह के मानदेय पर कार्यरत हैं। इसके साथ ही उन्होंने लोहरदगा के मोजाइक स्किल ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षित अनिमा कुमारी से भी बात की, जो पुणे के एक संस्थान में कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने अनिमा से उनके मानदेय, आवास व्यवस्था, भोजन और सुरक्षा की विस्तृत जानकारी ली और उनके आत्मविश्वास की सराहना की। इस उच्चस्तरीय बैठक में विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, श्रम सचिव जितेंद्र कुमार सिंह और श्रमायुक्त संदीप सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मां शारदे मंच के वार्षिकोत्सव में पौधारोपण और निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मां शारदे मंच और गरुड़ आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को नामकुम प्रखंड के रामपुर गांव स्थित धूमकुड़िया पंचायत में मां शारदे मंच का वार्षिकोत्सव सामाजिक सरोकार और जनसेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर निःशुल्क नेत्र जांच शिविर और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन करते हुए 100 से अधिक लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। यह जानकारी देते हुए मां शारदे मंच की अध्यक्ष नीतू सिन्हा ने कहा कि प्रकृति को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा ईश्वर सेवा के समान है। समाजहित में किए जाने वाले कार्यों में सभी लोगों

को बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए। नीतू सिन्हा ने बताया कि मंच समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है और आगे भी समाज के कल्याण के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मोतियाबिंद, दृष्टिदोष, अंधेपन की समस्या, निकट दृष्टि संबंधी कठिनाइयों और चश्मा एवं कॉन्टैक्ट लेंस की आवश्यकता जैसी समस्याओं की जांच की। ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच के सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में रामपुर की मुखिया सरस्वती देवी सहित शिखा प्रिया, सीमा श्रीवास्तव, रजनी बक्शी, रेनू वर्मा, पुष्पा सिंह, समीर सिन्हा, मनोज सिन्हा, शशांक श्रीवास्तव, मार्ग्रेट सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

बंगाल की खाड़ी में पहुंचा मानसून झारखंड में 15 तक देगा दस्तक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दक्षिणी पश्चिमी मानसून गुरुवार को बंगाल की खाड़ी में पहुंच गया है। समाचार लिखे जाने के कुछ घंटे के बाद तक इसके केरल पहुंचने की संभावना है। मानसून के केरल से झारखंड पहुंचने में 10 से 12 दिन का समय लगता है। इस हिसाब से इसके झारखंड में 15 जून तक पहुंचने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष झारखंड में मॉनसून 17 जून को पहुंचा था।

इधर, राज्य में मॉनसून आने से पूर्व राजधानी रांची सहित राज्य भर के विभिन्न जिलों में प्री मॉनसून की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 04 से लेकर 08 जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। इसके अलावा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना व्यक्त की गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज 41 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गुमला जिले के सिसई में 9.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई।

गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे, लेकिन दोपहर बाद आसमान साफ हो गया, जिससे प्रचंड गर्मी महसूस की गई।

गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री और न्यूनतम 24.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बनर्जी ट्यूटोरियल एंड कंप्यूटर एकेडमी में मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित बनर्जी ट्यूटोरियल एंड कंप्यूटर एकेडमी के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन कर कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना तथा उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना था।

समारोह में एकेडमी के निदेशक गौरव बनर्जी ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। यह कठिन परिश्रम, अनुशासन, लगन और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन का परिणाम होती है। उन्होंने छात्रों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। छात्रों ने भी अपनी सफलता का श्रेय अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग को दिया। समारोह में एकेडमी के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शहीद लांसनायक राजकुमार महतो का 22 वां शहादत दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : प्रखंड के मासू-मंझिलाटोली में शहीद लांस नायक राजकुमार महतो का शहादत दिवस कार्य क्रम का आयोजन किया जिसकी नेतृत्व अर्जुन राम संचालन जगरनाथ महतो ने किया शहीद राजकुमार महतो का शहादत दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों तथा शहीद के बड़े भाई अमर नाथ महतो शहीद के पत्नी प्रभा महतो मनीष महतो ने भाग लेकर उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि शहीद राजकुमार महतो ने देश की रक्षा

करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका त्याग और देशभक्ति युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शहादत दिवस के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीद के आदर्शों पर चलने तथा देश सेवा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया। मौके पर जिला परिषद अनुराधा मुंडा रणधीर चौधरी मुखिया कविता देवी शीला देवी उप मुखिया दुर्गा महतो बिष्णु महतो रामेश्वर महतो रामनाथ करमाली कारीनाथ महतो अजित महतो सूरज नारायण महतो गाबेशर महतो गोवर्धन महतो सुधांशु महतो शिवनारायण महतो बीरेंद्र महतो पारस महतो आदि शामिल थे।

मधुमक्खी पालन महिलाओं के लिए आजीविका का बेहतर विकल्प : दीपिका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की पहल पर झारखंड मधु आजीविका किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) की ओर से तैयार पलाश शहद को बाजार में लॉन्च किया गया।

पहले चरण में मेलिफेरा शहद, सेराना प्रीमियम शहद और जंगली वन शहद नाम से तीन वैरायटी बाजार में उपलब्ध कराई गई है। इसका शुभारंभ राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने इटकी प्रखंड के लुपुंग गांव में गुरुवार को किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कृषि के साथ-

साथ ग्रामीण महिलाएं अब मधुमक्खी पालन भी उनकी आजीविका का बेहतर विकल्प बन रहा है।

झारखंड के जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार प्राकृतिक शहद की गुणवत्ता उत्कृष्ट है। उन्होंने कहा कि कृषि के साथ मधुमक्खी पालन को जोड़कर ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सकता है और पलायन को काफी हद तक रोका जा सकता है। विभाग की ओर से महिलाओं को मधुमक्खी पालन के लिए प्रशिक्षण और बी-बॉक्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

जेएसएलपीएस के सीईओ अनन्य मित्तल ने कहा कि भविष्य में 09 हजार महिलाओं को मधुमक्खी पालन से जोड़ने की योजना है। साथ ही शहद आधारित अन्य उत्पाद भी विकसित किए जाएंगे। एफपीओ ने 29 अप्रैल से 31 मई के बीच 500 बी-बॉक्स से एक मीट्रिक टन शहद का उत्पादन किया है। वर्तमान में रांची, खूंटी, सिमडेगा और लातेहार के 10 प्रखंडों में महिलाओं को प्रशिक्षण देकर शहद उत्पादन कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में संस्था ने 13 करोड़ रुपये के व्यवसायिक लेन-देन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

एक नजर

मारवाडी मंच ने निशा कुमारी को गिटार देकर किया सम्मानित

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, रांची शाखा की ओर से शिवनारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला में आयोजित समर कैंप के तीसरे दिन गुरूवार को संगीत साधना को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्रा और युवा संगीत प्रशिक्षक निशा कुमारी को उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

मारवाड़ी महिला मंच की ओर से बबीता नारसरिया ने निशा कुमारी को गिटार और कैसियो भेंट किया, ताकि वह अपनी संगीत साधना को और आगे बढ़ा सकें। मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने बताया कि निशा कुमारी ने इसी विद्यालय के समर कैंप से अपनी प्रतिभा को निखारने की शुरूआत की थी। उन्होंने 10 वीं में 96 प्रतिशत एवं इंटरमीडिएट (आईएससी) में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वह मिनीमैक टैलेंट अकादमी से ट्रॉफी और नकद पुरस्कार भी प्राप्त कर चुकी हैं और वर्तमान में बच्चों को संगीत का प्रशिक्षण दे रही हैं।

निशा कुमारी ने कला उत्सव राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला चैंपियन का खिताब हासिल किया है।

एसआईआर को लेकर निर्वाचन पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

रांची : झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय और सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारियों ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से गुरुवार को आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।इस दौरान पदाधिकारियों को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए आयोजित ईसीआईएनईटी का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण मुख्य रूप से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वाले 16 राज्यों एवं 3 केंद्र शासित प्रदेशों के पदाधिकारियों, आईटी एक्सपर्ट्स एवं डेटा ऑपरेटरों के लिए आयोजित किया गया था।

जीपीओ से दो लॉजिस्टिक्स पोस्ट ट्रक रवाना

रांची : भारतीय डाक विभाग की लॉजिस्टिक पोस्ट सेवा के तहत गुरूवार को रांची जीपीओ से दो पूर्ण ट्रक लोड (एफटीएल) पार्सल सफलतापूर्वक रवाना किया गया। इनमें एक ट्रक रांची से तोरपा और दूसरा रांची से कोलेबिरा के लिए भेजा गया। विभाग ने इसे लॉजिस्टिक सेवाओं के विस्तार और ग्राहकों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह जानकारी देते हुए रांची जीपीओ के संदीप कुमार ने बताया कि भारतीय डाक की लॉजिस्टिक पोस्ट सेवा व्यवसायिक संस्थानों, ई-कॉमर्स विक्रेताओं, उद्योग और आम ग्राहकों को सुरक्षित, समयबद्ध और किफायती परिवहन सुविधा दे रही है।

संक्षिप्त खबरें

यौन शोषण के आरोपी की डिस्चार्ज याचिका अदालत ने की खारिज

रांची : रांची के अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार-2 की अदालत ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण के एक आरोपित की डिस्चार्ज याचिका खारीज कर दी। उसे 19 जून को आरोप गठन के लिए अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। याचिका पर सुनवाई के दौरान आरोपित पक्ष की ओर से कहा गया कि पीड़िता एक वयस्क महिला है और दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से बने थे। वह निर्दोष है, उसके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि आरोपित ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण किया। आरोप है कि आरोपित ने जुलाई 2021 में मंदिर में सिंदूर डालकर और मंगलसूत्र पहनाकर पीड़िता से विवाह किया था। इसके बाद उनके बीच पति-पत्नी जैसे संबंध बने। बाद में आरोपित ने खुद को विवाहित बताते हुए शादी से इनकार कर दिया था। आरोपित प्रेम सिंह मूल रूप से जम्मू का निवासी है। वर्तमान में सिकंदराबाद में कार्यरत है। उसके खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने चुटिया थाना में वर्ष 2025 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

रजहरा स्टेशन पर पटरी से उतरी मालगाड़ी, कई ट्रेनें रद्द

रांची : धनबाद मंडल के रजहरा स्टेशन पर मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने (डिरेलमेंट) के कारण रांची मंडल से परिचालित निम्नांकित ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। इस दौरान जो ट्रेनें रद्द रहेंगी उनमें ट्रेन संख्या 18635 रांची झ सासाराम एक्सप्रेस गुरुवार को रद्द रही। वहीं ट्रेन संख्या 18636 सासाराम झ रांची एक्सप्रेस 05 जून को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 18613 रांची झ चोपन एक्सप्रेस का गुरुवार को बरवाडीह स्टेशन पर आंशिक समापन हुआ। वहीं इस दौरान जिन ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया उनमें ट्रेन संख्या 12873 हटिया झ आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस गुरुवार को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बरकाकाना झ हजारीबाग टाउन झ कोडरमा झ गया झ सोन नगर झ गढ़वा रोड लिंक केबिन झ गढ़वा होकर चलाई गई। साथ ही ट्रेन संख्या 20407 रांची झ नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस भी निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बरकाकाना झ कोडरमा झ गया झ पंडित दीन दयाल उपाध्याय होकर गई। इसके अलावा ट्रेन संख्या 18309 सम्बलपुर झ जम्मूतवी एक्सप्रेस यात्रा अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग राजाबेड़ा झ गोमो झ गया - सोन नगर - पंडित दीन दयाल उपाध्याय होकर गुरुवार को गई। यह जानकारी गुरुवार को रेलवे की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने की 25 लाख के गहनों की चोरी

रांची : रांची के खेलगांव थाना क्षेत्र के न्यू खटंगा स्थित एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने 15 हजार नकद और लगभग 25 लाख रुपये के गहनों की चोरी कर ली। इस संबंध में न्यू खटंगा निवासी अनीश कुमार भारती ने खेलगांव थाना में मामला दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार पीड़ित परिवार नेपाल यात्रा पर गया हुआ था। नेपाल यात्रा से लौटने के बाद देखा कि घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। जब उन्होंने हर रूम में जाकर देखा तो पता चला कि सारे गहने और नकदी चोरी हो गये हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विजय शंकर नायक ने झारखंड में फायर सेफ्टी ऑडिट की उठाई मांग

रांची : कांग्रेस नेता विजय शंकर नायक ने दिल्ली के एक होटल में आग लगने से 21 लोगों और मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल के आईसीयू में आग से 5 मरीजों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने झारखंड सरकार से राज्य के सभी होटल, अस्पताल, लॉज, मॉल, नर्सिंग होम, कोचिंग संस्थानों और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की फायर सेफ्टी व्यवस्था तथा फायर एनओसी की विशेष जांच कराने की मांग की। नायक ने कहा कि जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो रही है या वैध फायर एनओसी नहीं है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

भाजपा नेता के भांजे रोहित की पीट-पीटकर हत्या, एक दर्जन से अधिक पर एफआईआर

रांची : राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र में भाजपा नेता कमलेश राम के भांजे रोहित की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने कारवाई तेज कर दी है। इस सनसनीखेज मामले में एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जबकि एक आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार बुधवार को रातू क्षेत्र में एक महिला ने रोहित पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। आरोप सामने आने के बाद महिला के परिजनों और स्थानीय लोगों ने रोहित को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मारपीट इतनी गंभीर थी कि रोहित मौके पर ही बेसुध हो गया। इसी दौरान किसी ने डायल-112 के माध्यम से पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही रातू थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और रोहित को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही रोहित के परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए 35 वर्षों से निरंतर वृक्षारोपण कर रहे हैं राखोहरि महतो

सिल्ली : आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण संकट जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, ऐसे समय में झारखंड के ग्रामीण क्षेत्र से एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। रांची जिला के राहे प्रखंड अंतर्गत ग्राम कदमडीह, पो० लोवाहातु निवासी श्री राखोहरि महतो पिछले लगभग 35 वर्षों से लगातार वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण का कार्य करते आ रहे हैं। श्री महतो ने वर्ष 1991 से अब तक अपने जीवनकाल में लगभग 10 हजार से अधिक पेड़ लगाकर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने न केवल पेड़ लगाए, बल्कि वर्षों तक उनकी देखभाल, सुरक्षा और संरक्षण भी किया, जिसके कारण आज वे पौधे विशाल वृक्षों का रूप ले चुके हैं। राखोहरि महतो के अनुसार, उनके परिवार की जमीन, जिसका खाता नंबर 167, प्लॉट नंबर 443 तथा रकबा लगभग 4 एकड़ है, पर उनके पिताजी स्व चैता महतो खेती किया करते थे। लेकिन पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से उन्होंने पूरी जमीन को हरित क्षेत्र में बदल दिया और वहां विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधीय वृक्ष लगाए। इस भूमि पर कुसुम ,सालगा, नीम, बरगद, गम्हार, जामुन, आम, करम, डुमर, पाकेड़, चापुत, सिमर , काऊज, पलास, सीसम, बैर, पोजो, डेला सहित अनेक प्रजातियों के हजारों वृक्ष आज प्राकृतिक वन का रूप ले चुके हैं। यह क्षेत्र अब पक्षियों, छोटे जीव-जंतुओं और जैव विविधता के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल बन गया है। श्री रखोहरि महतो प्रतिदिन स्वयं इन वृक्षों की देखभाल करते हैं। वे वर्षों से बिना किसी सरकारी सहायता या निजी लाभ की इच्छा के पर्यावरण संरक्षण के इस कार्य में समर्पित भाव से लगे हुए हैं। उनका मानना है कि पेड़ ही जीवन हैं और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए वृक्षारोपण सबसे बड़ा धर्म है।

एक नजर

रामगढ़ का अम्रपाली आम पहुंचा दुबई, किसानों की मेहनत को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

रामगढ़ : बिरसा हरित ग्राम योजना के सकारात्मक परिणाम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगे हैं। दुलमी और गोला प्रखंड के किसानों द्वारा उत्पादित चार टन अम्रपाली आमों की विशेष खेप दुबई के लिए रवाना की गई। समाहरणालय परिसर से उपायुक्त ऋतुराज ने आम से लदे वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस उपलब्धि को जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और कृषि आधारित विकास की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। कभी बंजर और अनुपयोगी मानी जाने वाली भूमि आज किसानों की आय का मजबूत आधार बन चुकी है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन तथा मनरेगा के सहयोग से दुलमी और गोला के किसानों ने बागवानी को अपनाया और अब उनका उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रहा है। जिले का अम्रपाली आम अब ह्यरामगढ़ झारखंड अम्रपालीह्न ब्रांड के रूप में वैश्विक पहचान बना रहा है। इस उपलब्धि में डीआरडीबी-मनरेगा टीम और मनोन्नति महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महिला किसानों ने पौधारोपण, देखभाल, उत्पादन, ग्रेडिंग और पैकेजिंग तक की जिम्मेदारी निभाई। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पैकिंग और गुणवत्ता परीक्षण के बाद आमों की खेप निर्यात के लिए तैयार की गई। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती।

झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति की हुई बैठक

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति की एक बैठक दिन बृहस्पतिवार समय 12:00 बजे झुमरी तिलैया शहर के ब्लॉक रोड स्थित साहू धर्मशाला में संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे तथा संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने किया बैठक में मुख्य रूप से बुथ कमेटी के गठन को लेकर व्यापक रूप से चर्चा की गई तथा सरकार के आदेश अनुसार आगे आने वाले समय में बुथ सम्मेलन को लेकर उसके व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। तदुपरांत झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच में विचार विमर्श किया गया तथा इसकी व्यापक रूप से समीक्षा की गई। पार्टी का कार्यक्रम सफल हो इसे लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा का एक-एक सिपाही अपने जिम्मेवारियों का निर्वहन करने के लिए सदैव तैयार रहेगा। अगले हफ़्ते पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडे जी का आगमन कोडरमा जिले में होने जा रहा है जिसकी विधिवत घोषणा जिला समिति के जिला अध्यक्ष समय आने पर करेंगे बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के कई एक पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मंडुवा प्रसंस्करण यूनिट का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

कोडरमा : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा नगर परिषद् झुमरी तिलैया अंतर्गत बाजार समिति स्थित मंडुवा प्रसंस्करण यूनिट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त महोदय ने यूनिट में स्थापित सभी मशीनों का तकनीकी रूप से अवलोकन किया तथा मंडुवा उत्पादन एवं प्रसंस्करण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने यूनिट तक मंडुवा लाने की व्यवस्था, उत्पादन प्रक्रिया तथा स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा मंडुवा के उपयोग एवं उससे संबंधित गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मंडुवा आधारित उत्पादों के निर्माण एवं इससे महिलाओं की आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मंडुवा प्रसंस्करण यूनिट की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया।

रामगढ़ पुलिस का बड़ा एक्शन : 15 फरार अभियुक्त गिरफ्तार, 19 वारंटों का हुआ निष्पादन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में अपराध नियंत्रण और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में उल्लेखनीय सफलता मिली है। 02 और 03 जून 2026 की रात सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में समकालीन छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान 19 लंबित वारंटों का निष्पादन करते हुए 15 फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। अभियान को लेकर पुलिस महकमे की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान में विभिन्न थाना क्षेत्रों से लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में

सत्यम कुमार सोनी (रिवर साइड भुरकुंडा), कृष्ण कुमार (कौवावेड़ा), आनंद कुमार, कुलदीप प्रसाद (मरार), चंदन कुमार सिंह (डीवीसी कॉलोनी नईसराय), गुलाम रसूल (सोसोकला, गोला), बहादुर सिंह एवं तरुण सिंह (नवाडीह, गोला), दीपक कुमार और सुग्रीव तिवारी (बरकाकाना), अनुराग सिंह (पटेलनगर, पतरातू), समाउदीन (जरियों, रजरप्पा), छटु गंझू (बोंगई, रजरप्पा), गिरिजा सिंह (पंचमंदिर, पतरातू) तथा प्रेमसागर महतो (कटिया, पतरातू) शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में फरार अभियुक्तों, वारंटियों और अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। लगातार कार्रवाई के माध्यम से कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में काम किया जा रहा है। अभियान के सफल संचालन में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सहित विभिन्न थाना एवं ओपी प्रभारियों की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर फरार अभियुक्तों तक पहुंच बनाई और उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। लगातार हो रही गिरफ्तारियों और वारंट निष्पादन की कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप का माहौल है। पुलिस का कहना है कि कानून से बचकर भाग रहे किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

500 रुपये वसूली और मारपीट के आरोप से गरमाया गोला, मुख्यमंत्री तक पहुंचा मामला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पूरबडीह जंगल के समीप मछली बीज लेकर जा रहे मत्स्य मित्र शिवनारायण केवट और उनके पुत्र पवन कुमार केवट के साथ कथित मारपीट तथा 500 रुपये की अवैध वसूली के आरोपों ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला स्थानीय स्तर से निकलकर राज्य स्तर तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा मामले की जांच के निर्देश दिए जाने की चर्चा के बीच अब लोगों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। जानकारी के अनुसार बरलंगा निवासी शिवनारायण केवट अपनी टीम के साथ मछली बीज लेकर बेटुलकला पंचायत के पतरातू गांव जा रहे थे। आरोप है कि पूरबडीह जंगल के समीप वाहन रोककर पूछताछ की गई और इसी दौरान 500 रुपये की मांग की गई। आरोप यह भी है कि राशि देने से इंकार करने पर पवन कुमार केवट के साथ मारपीट की गई। घटना के बाद मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई और मामला अधिकारियों तक पहुंच गया। घटना के बाद शिवनारायण केवट ने वीडियो जारी कर दावा किया कि वाहन में हजारों रुपये मूल्य का मछली बीज था, जो रोककर रखने और विवाद के कारण प्रभावित हुआ। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश बढ़ गया और निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वाहन में कोई अनियमितता थी तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। वहीं यदि सभी कागजात सही थे तो 500 रुपये मांगने का आरोप क्यों सामने आया। लोगों ने पूरे मामले की पारदर्शी जांच कर सच्चाई सार्वजनिक करने की मांग की है। मुख्यमंत्री स्तर पर जांच की चर्चा के बाद क्षेत्र में मामले को लेकर गंभीर माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी कर्मियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, जबकि आरोप गलत साबित होने पर भी पूरी सच्चाई सार्वजनिक की जानी चाहिए। फिलहाल पूरे मामले की दिशा अब जांच रिपोर्ट और प्रशासनिक कार्रवाई तय करेगी।

लाखों की लागत से बना शौचालय बंद रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय में जनता बेहाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के सबसे महत्वपूर्ण सरकारी परिसरों में शामिल रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सार्वजनिक शौचालय एवं स्नानागार वर्षों से बंद पड़ा हुआ है। स्थिति यह है कि प्रतिदिन प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय और अनुमंडल न्यायालय पहुंचने वाले सैकड़ों लोगों को मूलभूत सुविधा के अभाव में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। दूर-दराज के गांवों से आने वाले ग्रामीण, किसान एवं आम नागरिक घंटों कार्यालय परिसर में अपने कार्यों के लिए उपस्थित रहते हैं, लेकिन शौचालय बंद रहने के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन

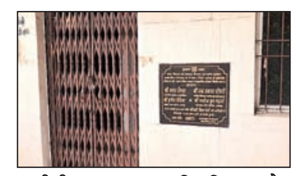

जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। स्थानीय दुकानदार एवं समाजसेवी अरबिंद प्रसाद ने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ों लोग परिसर में आते हैं, लेकिन शौचालय पर ताला लटका रहने से सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है। कई बार संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी राजीव पामदत्त ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए जिला प्रशासन, नगर परिषद प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि प्रखंड मुख्यालय जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर सार्वजनिक शौचालय बंद रहना चिंताजनक है।

प्रशासन की निष्क्रियता और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से कोडरमा में अपराध बेलगाम : महेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आम आदमी पार्टी, कोडरमा जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने जिले में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं और पूरी तरह चरमराई कानून-व्यवस्था पर गहरी नाराजगी और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बीती रात कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव के वाहन चालक राजकुमार यादव की निर्मम हत्या को सीधे तौर पर प्रशासनिक विफलता और पुलिस की घोर लापरवाही का परिणाम बताया है। महेश कुमार यादव ने कहा कि यह घटना कोई अचानक हुई दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासन की उदासीनता और लापरवाह रवैये का परिणाम है। विधायक द्वारा कई बार थाना प्रभारी को स्थिति की गंभीरता से अवगत कराए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जो पुलिस तंत्र की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने तीखा आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में अपराधी बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर सांसद और विधायक की लगातार चुप्पी और निष्क्रियता ने अपराधियों के हौसले और बढ़ा दिए हैं, जिससे आम जनता भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। महेश कुमार यादव ने कहा कि कोडरमा अब सुरक्षित जिला नहीं रहा, यहां कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज दिखाई नहीं देती। थाना स्तर से लेकर उच्च प्रशासनिक स्तर तक जवाबदेही तय किए बिना हालात नहीं सुधर सकते। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि इस हत्याकांड की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए, सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दी जाए तथा थाना स्तर पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जाए।

हरियाली की नई मिसाल गढ़ रहा बीएफसीएल पर्यावरण संरक्षण को बनाया जनआंदोलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) लगातार उल्लेखनीय पहल कर रहा है। पौधारोपण, प्रदूषण नियंत्रण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से कंपनी हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीएफसीएल ने वर्ष 2026 के लिए 1200 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत जनवरी से मई माह तक 1000 से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। कंपनी परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रत्येक माह 100 पौधे लगाकर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण को

केवल औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए बीएफसीएल अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इन कार्यक्रमों में उत्सर्जन नियंत्रण, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है। कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण का सक्रिय सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वायु एवं धूल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कंपनी ने पांच एंटी-स्मॉग गन, 14 डस्ट कैचर तथा व्यापक जल छिड़काव व्यवस्था स्थापित की है। साथ ही विभिन्न प्रमुख स्थानों पर निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली की स्थापना कर पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है। कंपनी द्वारा 3.50 हेक्टेयर क्षेत्र में देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जा रहा है। वहीं 54,600 घन मीटर क्षमता वाले जलाशय के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। बीएफसीएल प्रबंधन का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण सामाजिक जिम्मेदारी का विषय है। इसी सोच के साथ कंपनी भविष्य में भी सतत विकास और हरित औद्योगिक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति ने राज्यपाल से की गजट वापस लेने की मांग, सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को झारखंड के महामहिम राज्यपाल से लोक भवन में मिला और उन्हें एक ज्ञापन पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा जारी उस गजट प्रकाशन का कड़ा विरोध जताया, जिसके तहत जे जे कॉलेज सहित कोडरमा जिला को विनोबा भावे विश्वविद्यालय (हजारीबाग) से हटाकर गिरिडीह स्थित सर जेसी बॉस विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल से मांग की कि इस छात्र विरोधी- जनविरोधी गजट को

तत्काल वापस लिया जाए तथा जे जे कॉलेज को पूर्व की भांति विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से ही संबद्ध रखा जाए। समिति ने सरकार के इस निर्णय से छात्र-छात्राओं के भविष्य, शैक्षणिक व्यवस्था एवं कोडरमा जिले की शिक्षा व्यवस्था के लिए घातक साबित होगा। समिति ने कोडरमा जिले के शैक्षणिक समस्याओं पर ध्यानाकर्षण कराया। साथ ही कोडरमा जिले में उच्चतर शिक्षा में शिक्षकों की भारी कमी दूर करने की भी बात रखी। इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से संरक्षक राम रतन अवध्या, अध्यक्ष महेश भारती, सचिव देवेंद्र कुमार, सह-सचिव मो. अली शाद एवं मीडिया प्रभारी रवि पासवान शामिल थे। महामहिम को ज्ञापन सौंपने के बाद संरक्षक राम रतन अवध्या ने कहा की ₹जे जे कॉलेज को जबरन दूसरे विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करना छात्रों के हितों के खिलाफ है। कोडरमा की जनता इस अन्याय को कभी स्वीकार नहीं करेगी। सरकार को तुरंत यह निर्णय वापस लेना चाहिए।?अध्यक्ष महेश भारती ने हुंकार भरते हुए कहा की हम कोडरमा जिला की शिक्षा बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। जे जे कॉलेज को विनोबा भावे विश्वविद्यालय से हटाना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। जब तक सरकार गजट वापस नहीं लेती, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। सचिव देवेंद्र कुमार ने प्रशासनिक दिक्कतों को रेखांकित करते हुए कहा, सरकार का यह फैसला छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डालने वाला है। विश्वविद्यालय परिवर्तन से छात्रों की पढ़ाई, परीक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों पर बुरा असर पड़ेगा। हम लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और तेज करेंगे। सह सचिव मो.अली शाद ने कहा की छात्र-युवाओं की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए तत्काल इस गजट को रद्द करना चाहिए। मीडिया प्रभारी रवि पासवान ने एकजुटता पर बल देते हुए कहा की जे जे कॉलेज को बचाने के लिए कोडरमा का छात्र-युवा पूरी तरह एकजुट है।

संक्षिप्त खबरें

चार माह के बकाया वेतन का मामला पहुंचा श्रम विभाग, शालीमार स्वीट्स की जांच शुरू

रामगढ़ : सुभाष चौक मेन रोड स्थित शालीमार स्वीट्स प्रा. लि. के पूर्व कर्मचारी रूपेश कुमार द्वारा चार माह का वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाए जाने के बाद मामला श्रम विभाग तक पहुंच गया है। जनवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक के बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर की गई शिकायत पर श्रम विभाग ने संज्ञान लेते हुए जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। रूपेश कुमार का आरोप है कि उन्होंने निर्धारित अवधि तक कंपनी में कार्य किया, लेकिन उन्हें चार माह का वेतन नहीं दिया गया। कई बार कंपनी प्रबंधन से संपर्क करने और बकाया राशि की मांग करने के बावजूद समाधान नहीं निकलने पर उन्होंने श्रम विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, रामगढ़ सदर ने कंपनी प्रबंधन अनिल कुमार को नोटिस जारी कर दोनों पक्षों को निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने का निर्देश दिया। विभागीय कार्यालय में हुई सुनवाई के दौरान रूपेश कुमार और कंपनी प्रबंधन दोनों ने अपना-अपना पक्ष रखा। जांच के क्रम में विभाग द्वारा वेतन भुगतान, उपस्थिति पंजी एवं अन्य संबंधित अभिलेखों की समीक्षा की गई। हालांकि जांच के दौरान कंपनी प्रबंधन की ओर से कुछ आवश्यक दस्तावेज और जानकारी पूर्ण रूप से प्रस्तुत नहीं किए जाने की बात सामने आई। इसके कारण मामले में तत्काल कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल सका और जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। मामले को लेकर श्रमिकों के बीच भी चर्चा तेज हो गई है। कई लोगों का मानना है कि जब वेतन भुगतान को लेकर शिकायत सामने आई है तो श्रम विभाग को केवल एक कर्मचारी के मामले तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रतिष्ठान में कार्यरत सभी कर्मियों के वेतन भुगतान, उपस्थिति अभिलेख, श्रम कानूनों के अनुपालन और अन्य सुविधाओं की भी व्यापक जांच करनी चाहिए। इससे वास्तविक स्थिति सामने आएगी और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। फिलहाल श्रम विभाग उपलब्ध दस्तावेजों, शिकायतकर्ता के आरोपों और कंपनी प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर मामले की गहन समीक्षा कर रहा है। कर्मचारी पक्ष को निष्पक्ष जांच से न्याय मिलने की उम्मीद है, जबकि कंपनी प्रबंधन भी अपना पक्ष रख रहा है। अब सभी की निगाहें विभाग की अंतिम जांच रिपोर्ट और आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं, जिससे पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

चोरों ने 40 हजार नकद सहित पूजा के बर्तन और बाइक की चोरी की घटना को दिया अंजाम

कोडरमा : कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 8 के कृष्णापुरी मुहल्ला स्थित राजू यादव के घर में बीती रात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामले की जानकारी देते हुए गृह स्वामी राजू यादव ने बताया कि बीती रात वे लोग खाना खाकर मुख्य दरवाजे में ताला जड़कर पूरे परिवार के साथ छत पर सोने चले गए थे। सुबह उठने के पश्चात जब वह लोग नीचे आए तो देखा कि घर के अंदर के एक कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। उसे कमरे में पूजा के लिए बने स्थल पर रखे कांसा और पीतल के सारे सामान गायब थे। उन्होंने गहनता से जांच की तो पाया कि कमरे के अंदर में पैसों से भरा बैग भी गायब था। उन्होंने बताया कि उस बैग में 40 हजार रुपए नगद रखे हुए थे। इसके पश्चात जब वे मुख्य दरवाजा खोलकर बाहर आए तो देखा कि उनका बाइक भी घर के बाहर से चोरी हो चुका था। इसके पश्चात उन्होंने घटना की जानकारी तिलैया पुलिस को दी। इसके पश्चात पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। इधर गृह स्वामी ने बताया कि चूंकि मुख्य दरवाजे में ताला जड़ा हुआ था, ऐसे में यह प्रतीत होता है कि चोर घर के पिछले हिस्से की खिड़की के सहारे छत पर चढ़कर घर में प्रवेश कर गया और चोरी की घटना को अंजाम दिया।

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में आज गुरुवार को चंदवारा प्रखंड के पत्थलगड्डा पंचायत भवन सभागार में झालसा द्वारा चलाए जा रहे जागृति कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं उनके लिए कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार मौजूद थे। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौतम कुमार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण करना है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक नि:शुल्क एवं सुलभ न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजनों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनानाभी इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज मेंवरिष्ठ जनों को उचित सम्मान दिया जाना आवश्यक है ताकिवरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण का लक्ष्य पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि महिलाओ के अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानून बनाये गए है। इसके अलावे सभी वर्ग के लोगो को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओ का लाभ दिलाने के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा कृतसंकल्पित है। एल ए डी सी एस के अधिवक्ता नवल किशोर ने कहा कि आम जनो को निशुल्क विधिक सहायता महिला एवं बाल अधिकार वृद्ध जनो के अधिकार, साइबर अपराध नशा मुक्ति, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण एवं केंद्र सरकार व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओ के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाए ताकि उनका सीधा लाभ मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल विवाह व डायन बिसाही जैसी कुरीतियों एक सभ्य समाज के जघन्य अपराध है। शिविर को पूर्व मुखिया राजेंद्र यादव ने भी संबोधित किया। मौके पर वार्ड सदस्य समाजसेवी पी एल वी सुमन रानी, सन्नी कुमार, रेखा देवी सहित सैकड़ो गणमान्य लोग मौजूद रहे।

झंडा चौक ओवरब्रिज की बदहाल सड़क पर भड़की पार्षद, तत्काल मरम्मत की मांग

झुमरीतिलैया : वार्ड नंबर 10 की पार्षद पिंकी जैन ने शहर के हृदय स्थल झंडा चौक ओवरब्रिज के ढलान पर टूटे रोड एवं नाली के स्लैब का निर्माण जनहित में तुरंत करने के लिए कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को पत्र देकर कहा है झंडा चौक के इस रास्ते पर सैकड़ो मेडिकल डॉक्टर दुकान हॉस्पिटल बैंक स्कूल कॉलेज व्यापारिक प्रतिष्ठान है। हजारों आम जनता को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है आज एक टोटो भी उलट गया जिसके कारण उसमें बैठे बहुत लोगों को चोट भी लगी है। पिंकी जैन ने कहा कि नगर पालिका की स्थिति बद से बदतर हो गई है सिर्फ खानापूर्ति और झूठा आश्वासन दिया जाता है प्राथमिकता के आधार पर जनहित में जो काम पहले होना चाहिए उस पर ध्यान नहीं दिया जाता है। लगभग एक महीना से नगर परिषद स्वयं के द्वारा तोड़े गए रोड और नाली के स्लैब का निर्माण नहीं किया गया है रोड बंद होने के कारण भारी ट्रैफिक का सामना करना पड़ रहा है प्रतिदिन इसी स्थान पर टू व्हीलर टोटो आदि दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं परंतु नगर परिषद के पदाधिकारी सोए हुए हैं उन्हें जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है पिंकी जैन ने कहा कि रात के अंधेरे में बिना सूचना दिए चुनाव से कुछ दिन पूर्व नगर परिषद के संवेदक के द्वारा ओवर ब्रिज के ढलान को बिना गुणवत्तापूर्ण लापरवाही से उसकी ढलाई कर दी गई 6 महीना के अंदर रोड खराब हो गया वहां पर पूर्व के लगाए गए स्लैब के ऊपर ही उसकी ढलाई कर दी गई जिसके कारण नाला का पानी रोड पर ही बहने लगा गंदे पानी का तालाब झंडा चौक पर बन गया और विकराल समस्या उत्पन्न हो गई पूर्व में ही इस बात का ध्यान रखा जाता है तो आम जनता के द्वारा मिले टैक्स का सरकारी पैसे की बबार्दी नहीं होती कार्यपालक पदाधिकारी एवं सिटी मैनेजर से निवेदन है कि जनहित में इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द करें ।

एक नजर

पेयजल संकट को लेकर विधायक ने कुआं निर्माण का दिया निर्देश

खूंटी : खूंटी प्रखंड के सुकनडीह गांव में लंबे समय से व्याप्त पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों की परेशानी सामने आने के बाद स्थानीय विधायक रामसूर्या मुंडा ने गुरुवार को गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि गांव में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिसके कारण लोगों को धौबा का पानी पीने के लिए विवश हैं। ग्रामीणों ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता नहीं होने से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। विशेषकर गर्मी के मौसम में जल संकट और गहरा गया है, जिससे महिलाओं और बच्चों को पानी की व्यवस्था करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद विधायक ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और पेयजल समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। तत्काल राहत के उद्देश्य से विधायक ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को गांव में कुआं निर्माण का कार्य जल्द शुरू कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कुआं निर्माण होने से ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा और लंबे समय से चली आ रही जल समस्या से राहत मिलेगी। मौके पर विधायक रामसूर्या मुंडा से ग्रामीणों ने क्षेत्र की अन्य समस्याओं की भी जानकारी दी और समाधान की मांग की। विधायक ने सभी समस्याओं पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाया। मौके पर महादेव हंसा, चम्बरा हंसा, ग्राम प्रधान लोडरो मुंडा, मार्शल टूटी, पंचायत के जेएमएम प्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण सप्ताह पर सोनारी दोमुहानी में चला स्वच्छता अभियान, स्वच्छ नदी और हरित पर्यावरण का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : विश्व पर्यावरण सप्ताह–2026 के तहत गुरुवार को जमशेदपुर वन प्रमंडल एवं एलिफेंट प्रोजेक्ट, जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान में सोनारी दोमुहानी क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता एवं नदी सफाई अभियान चलाया गया।

'स्वच्छ नदी, स्वस्थ पर्यावरण' थीम पर आयोजित इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा प्राकृतिक और पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए जनसहभागिता को बढ़ावा देना था। अभियान में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से ही बड़ी संख्या में प्रतिभागी सोनारी दोमुहानी पहुंचे और नदी तट तथा आसपास के क्षेत्रों में फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन, बोतलें एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर साफ-सफाई की। अभियान के दौरान लोगों को यह भी बताया गया कि प्लास्टिक कचरा नदियों और जल स्रोतों को किस प्रकार प्रदूषित करता है और इसका जैव विविधता तथा मानव स्वास्थ्य पर क्या दुष्प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर जमशेदपुर वन प्रमंडल की डीएफओ सबा आलम ने कहा कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं हैं,बल्कि पर्यावरणीय संतुलन की आधारशिला भी हैं। यदि जल स्रोत स्वच्छ रहेंगे तो पर्यावरण भी स्वस्थ रहेगा। उन्होंने कहा कि नदियों और जलाशयों में कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने की आवश्यकता है और इसके लिए जनसहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा, जल संरक्षण और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए आम लोगों की सहभागिता भी जरूरी है। अभियान में शामिल स्वयंसेवकों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

देवघर व पलासबनी पंचायत क्षेत्र में पशु चोरी रोकने की मांग को लेकर थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : देवघर एवं पलासबनी पंचायत क्षेत्र में लगातार बढ़ रही पशुओं की चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय ग्रामीणों एवं सामाजिक संगठनों में गहरी चिंता व्यक्त की है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीण एव अन्य संगठन के सदस्यों ने संयुक्त रूप से थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन के माध्यम से संस्थान के प्रतिनिधियों ने बताया कि बीते कुछ महीनों से क्षेत्र में गाय, बैल एवं अन्य पालतू पशुओं की चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। इससे ग्रामीणों एवं पशुपालकों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चोरी हुए पशुओं को नशीला पदार्थ खिलाकर घटना को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पशुपालन ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और चोरी की घटनाओं के कारण उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। पंचायत के लोगों ने थाना प्रभारी से मांग की कि क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाई जाए।संदिग्ध लोगों पर निगरानी रखी जाए तथा पशु चोरी में शामिल गिरोह की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग की। थाना प्रभारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा तथा क्षेत्र में पुलिस गश्ती बढ़ाकर पशु चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन सौंपने वालो में उतम प्रधान, चित्रसेन गोप, अजीत गोप, गुरूदेव गोप, ग्रामीण एवं पशुपालक उपस्थित रहे।

सड़क हादसा में बाइक सवार युवक-युवती की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रांची-पटना मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोरांगी के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ट्रक की चपेट में आ गई। मृतकों की पहचान केशुरा घुघलिया निवासी तौफिक अंसारी और रेशमा के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक तेज गति से हजारीबाग की ओर जा रही थी। मोरांगी के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से मोटरसाइकिल ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर ट्रक के नीचे आ गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक रेशमा हजारीबाग के केबी महिला महाविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी और अपनी बहन के घर रह रही थी। वहीं तौफिक अंसारी अपने पिता के इलाज के सिलसिले में हजारीबाग आया था। बताया जाता है कि दोनों किसी काम से मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। मुफस्सिल थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने लिया एक दिवसीय प्रशिक्षण में भाग

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिला में झामुमो के एक दिवसीय बीएलए 2 के प्रशिक्षण शिविर में पटमदा प्रखंड के सैकड़ों कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी महतो के नेतृत्व में जिला के बिरसा मुंडा टाउन हॉल सिदगोड़ा में शामिल हुए। जानकारी देते हुए झामुमो जिला संगठन सचिव सह विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कहा झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति के द्वारा केंद्रीय समिति के निदेशानुसार एक दिवसीय बीएलए 2 प्रशिक्षण में पार्टी के काफी संख्या में पटमदा और बोड़ाम से कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान पटमदा से विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू,प्रखंड अध्यक्ष अश्वनी महतो,झामुमो नेता सुभाष कर्मकार,सिजेन हेंब्रम,अबोध कालिंदी,शंकर मांडी,सुजीत महतो,संजय सिंह,माणिक महतो, सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

अपराधियों पर नकेल कसने की तैयारी, एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

चौपारण : प्रखंड में अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने गुरुवार को चौपारण थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र में लंबित कांडों, अपराध नियंत्रण की स्थिति तथा कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में एसपी ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, वारंटियों की गिरफ्तारी एवं फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने विभिन्न कांडों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान एसपी ने आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने तथा जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। उन्होंने थाना के सभी एसआई एवं एएसआई के साथ अलग-अलग मामलों की समीक्षा कर अनुसंधान कार्यों में आ रही चुनौतियों की जानकारी ली और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने अपराधियों, वारंटियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई जारी रखने का निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना के अभिलेखों, केस डायरी, लंबित कांडों की स्थिति तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया। मौके पर डीएसपी राधा प्रेम किशोर, सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार, थाना प्रभारी पंकज कुमार, एसआई सुनील सिंह, रतन टुड्डू, दिव्य प्रकाश, सुबिंदर राम, जगदीश चंद्र प्रधान, बादल महतो सहित थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

नहाने के दौरान तालाब में डूबने से युवक की मौत

धनबाद : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मरिचो पंचायत अंतर्गत पारघो गांव में तालाब में डूबने से दिलीप हांसदा (35) की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार दिलीप हांसदा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। परिजनों ने बताया कि बुधवार दोपहर वह गांव के बाहर स्थित तालाब में स्नान करने गया था, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की। मृतक के भाई प्रकाश हांसदा ने बताया कि देर रात तक उन्होंने अपने स्तर से काफी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह ग्रामीणों की मदद से तालाब में खोजबीन की गई। काफी मशक्कत के बाद दिलीप का शव तालाब से बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना के बाद गांव में मातम छा गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय जनप्रतिनिधि दिलीप चौधरी मौके पर पहुंचे और बरवाअड्डा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जनप्रतिनिधि दिलीप चौधरी ने कहा कि घटना की जानकारी गोविंदपुर अंचलाधिकारी को दी गई है और मृतक के आश्रितों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई है। पुलिस मामले की आवश्यक प्रक्रिया में जुटी हुई है।

टंडावाड़ी में फिर फटी धरती, रातों-रात भू-धंसान से दहशत

धनबाद : बाघमारा के सोनारडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत टंडावाड़ी के कर्मकार टोला में एक बार फिर भू-धंसान की घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बीती देर रात अचानक जमीन धंसने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। खनन प्रभावित इस क्षेत्र में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीण खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और सुरक्षित पुनर्वास की मांग तेज हो गई है। टंडावाड़ी के कर्मकार टोला में देर रात अचानक जमीन धंसने की घटना सामने आई। सुबह होते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। भू-धंसान के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय महिला साबो कमीन का कहना है कि इलाके में पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोयला खनन के कारण जमीन के अंदर लगातार खाली जगह बनने से भू-धंसान की घटनाएं बढ़ रही हैं। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों और बीसीसीएल प्रबंधन को दिए जाने के बावजूद अब तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

8 महीने से अंचल कार्यालय का चक्कर, फिर भी नहीं हटा अतिक्रमण, ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दारू : प्रखंड के ईरगा पंचायत में सरकारी जमीन (रास्ता) पर कथित अतिक्रमण को लेकर ग्रामीण पिछले आठ महीनों से अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी भूमि प्लॉट संख्या 319 पर अतिक्रमण कर निजी मकान का निर्माण किया गया है, जिससे आम लोगों के आवागमन में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने अक्टूबर 2025 में अंचल कार्यालय को आवेदन देकर मनोरंजन प्रजापति एवं प्रदीप प्रजापति पर सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था। इसके बाद 17 नवंबर 2025 को अंचल अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें जमीन की मापी कराने और अतिक्रमण पाए जाने पर उसे तत्काल हटाने का निर्णय लिया गया। मापी के बाद एक पक्ष ने अपने हिस्से का निर्माण स्वयं हटा लिया, लेकिन दूसरे पक्ष द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाए जाने का आरोप है। मामला लगातार लंबित रहने के बाद 18 अप्रैल 2026 को पुनः बैठक बुलाई गई। सभी पक्षों की सहमति से निजी अमीनों और अंचल अमीन की मौजूदगी में दोबारा मापी कराने का निर्णय हुआ। 5 मई 2026 को हुई मापी में सभी पक्षों और अमीनों ने हस्ताक्षर कर संतुष्टि जताई, लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासनिक कार्रवाई की बात हुई, जेसीबी मशीन भी मौके पर पहुंची, लेकिन कार्रवाई अधूरी रह गई। इसके बाद पंचायत स्तर पर भी बैठक कर अतिक्रमण हटाने के लिए समय दिया गया, मगर निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

युवक ने की खुदकुशी जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू कॉलोनी नीमडीह स्थित संतोषी मंदिर के समीप रहने वाले 23 वर्षीय चंदन कुमार यादव ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। गुरुवार को मृतक के बड़े भाई पुरेंद्र यादव ने बताया कि बुधवार रात परिवार के सभी सदस्य एक साथ भोजन करने के बाद अपने-अपने कमरों में सोने चले गए। चंदन ने भी भोजन करने के बाद सोने की बात कही थी। गुरुवार सुबह जब उनकी पत्नी घर की छत पर लगे पौधे में पानी देने गईं, तब उन्होंने देखा कि चंदन फंदे से लटका हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद तत्काल सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पुरेंद्र यादव ने बताया कि चंदन का व्यवहार काफी अच्छा था और वह सभी लोगों से मिल-जुलकर रहता था।

शहीद राजेश मंडल के 11वें शहादत दिवस पर बाबूलाल मरांडी समेत कई दिग्गज हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : बगोदर विधानसभा क्षेत्र के जुझारू आंदोलनकारी, गरीबों के मसीहा और चोरी, डकैती व गुंडागर्दी के खिलाफ हमेशा आवाज बुलंद करने वाले शहीद राजेश मंडल जी का 11वां शहादत दिवस गुरुवार को छोटकी सरिया स्थित उनके पैतृक आवास पर श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस गरिमामयी कार्यक्रम में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शहीद राजेश मंडल के संघर्षों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। शहादत दिवस के मौके पर क्षेत्र के कई राजनीतिक और सामाजिक दिग्गज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं। रजनी कौर शहीद राजेश मंडल जी की धर्मपत्नी सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवनाथ राणा भाजपा जिला उपाध्यक्ष त्रिभुवन मंडल खटट जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण दास भाजपा जिला मंत्री आशीष बॉर्डर हरिहर मंडल ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री, बिनोद यादव सांसद प्रतिनिधि व वरिष्ठ भाजपा नेता बबलु मंडल राजेश जी के साथ लंबे समय तक राजनीतिक हमसफर रहे अलीमुद्दीन अंसारी, जसीमुद्दीन अंसारी, सलीम अंसारी और नेहरू मंडल भी इस मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने उनके साथ बिताए संघर्ष के दिनों को याद किया। इसके अलावा कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय समर्थक और ग्रामीण उपस्थित थे। इस शहादत दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष मंडल ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन सरिया खुर्द के पूर्व मुखिया बालगोविन्द मंडल द्वारा किया गया। उपस्थित सभी वक्ताओं ने राजेश मंडल जी के पदचिह्नों पर चलने और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया।

पेयजल संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, ईसीएल कॉलोनी का मुख्य गेट बंद कर सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के निरसा प्रखंड अंतर्गत गोपालपुर पंचायत में पेयजल संकट को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। पंचायत की मुखिया शिखा नाग के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने ईसीएल कॉलोनी के मुख्य गेट को बंद कर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शन में महिलाएं, युवतियां और बच्चे भी शामिल हुए। हाथों में डेकची, बाल्टी और अन्य बर्तन लेकर लोगों ने ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के कई टोला में लंबे समय से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जबकि सड़कों की हालत भी बदहाल है। ग्रामीणों के अनुसार बाका डंगाल, बाउरी टोला सहित कई इलाकों में लोगों को पीने के पानी के लिए रोज संघर्ष करना पड़ रहा है। पंचायत की मुखिया शिखा नाग ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए ईसीएल मुगमा क्षेत्र के महाप्रबंधक को छह बार लिखित आवेदन दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि आवेदन की प्राप्ति और उसकी स्थिति के बारे में भी प्रबंधन कोई स्पष्ट जानकारी नहीं देता है।

मुखिया पति सपन नाग ने ईसीएल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए सफाई कार्यों में करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्यों के नाम पर भी भारी अनियमितता हुई है, जबकि क्षेत्र की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कागजों में विकास कार्य दिखाए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति पूरी तरह अलग है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने बताया कि पानी की कमी के कारण घर-परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। घंटों दूर जाकर पानी लाना पड़ता है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसी वजह से ग्रामीणों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया है। सड़क जाम और मुख्य गेट बंद होने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। हैरानी की बात यह रही कि प्रदर्शन के दौरान ईसीएल का कोई भी अधिकारी ग्रामीणों से बातचीत करने नहीं पहुंचा, जिससे लोगों का आक्रोश और बढ़ गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई, सड़कों की मरम्मत नहीं हुई और विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच नहीं कराई गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

एसआईआर को लेकर प्रतिदिन तीन घंटे बूथ पर रहेंगे बीएलओ

धनबाद : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के क्रियान्वयन के लिए जिला के सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं की मैपिंग के लिए सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बीएलओ पर्यवेक्षक प्रतिदिन सुबह 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक बूथ पर उपस्थित रहेंगे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेंटर, सिमडेगा।

अप्रेन्टिसशिप मेला संबंधी सूचना (मेला की तिथि–08.06.2026)
स्थल :–आई०टी०आई०सिमडेगा।

जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेंटर, सिमडेगा के द्वारा दिनांक–08.06.2026 को आई० टी० आई० सिमडेगा में पूर्वाह्न 11.00 बजे से 02.00 बजे तक PM अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन किया जाना है, जिसमें आई०टी०आई०/डिप्लोमा/इंजीनियरिंग/Short Term Skill etc. एवं गैर तकनीकी छात्रों (5 वीं से स्नातक आदि) से अनुरोध है कि मेले में भाग लेने हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

नोटः– अप्रेन्टिसशिप मेला में भाग लेने योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी आधार कार्ड/ई–मेलआई०डी०/मोबाईल के साथ उपस्थित होंगे। अप्रेन्टिसशिप मेला में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

जिला नियोजन पदाधिकारी,
सिमडेगा।

PR 381491 (Simdega) 26-27 (D)

जीवन का आधार है पर्यावरण

दुनिया में हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने, पेड़-पौधे लगाने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरुक किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है। जिसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। विश्व स्तर पर इसकी शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम है- जलवायु के लिए अभी। यह थीम जलवायु परिवर्तन की तात्कालिकता और इसके वास्तविक, ठोस समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करती है। पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों ओर। आवरण का अर्थ होता है हम चारों ओर जिससे घिरे हैं। अर्थात पर्यावरण का अर्थ हमारे आसपास के वातावरण से है। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आसपास की सभी चीजों से मिलकर बनता है। पर्यावरण हमारे दैनिक जीवन से सीधा संबंध रखता है। मानव और पर्यावरण एक-दूसरे से संबंधित तथा एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। पर्यावरण प्रदूषण जैसे पेड़ों का कम होना, वायु प्रदूषण आदि मनुष्य के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता हैं। मानव की अच्छी बुरी आदतों का प्रभाव सीधा पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मानव जाति को पर्यावरण के प्रति सचेत करना हैं। उसका उद्देश्य पूरी प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा करना है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मेकिंग पीस विद नेचर रिपोर्ट पृथ्वी पर मंडरा रहे तीन बड़े पर्यावरणीय संकटों जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का नुकसान और प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक खाका प्रदान करती है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि और प्रदूषण तीनों आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। ये मानव अस्तित्व के लिए एक स्व-निर्मित खतरा हैं। प्रदूषण के कारण हर साल लगभग 90 लाख लोग असामयिक रूप से अपनी जान गंवाते हैं। लगभग 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। मानवता ने पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक और अस्थिर दोहन किया है जिससे हमारी पृथ्वी की जीवन-समर्थन क्षमता कमजोर हो गई है। सतत भविष्य के लिए जरूरी है कि अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों को इस तरह से बदला जाए जो प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसे बहाल करने में निवेश करें। पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड के वैश्विक उत्सर्जन में 2010 की तुलना में 45% की कमी और 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना अनिवार्य है। भोजन, ऊर्जा और सामग्री के उत्पादन के वर्तमान तरीकों में सुधार करना होगा ताकि पृथ्वी के संसाधनों का अधिक न्यायसंगत और सुरक्षित उपयोग हो सके। सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु, जैव विविधता और प्रदूषण से जुड़ी नीतियों को एक साथ लागू करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट इस निष्कर्ष पर जोर देती है कि आने वाले दशकों में प्रकृति के साथ शांति स्थापित करना मानवता के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक कार्य है। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर देश में लाकडाउन के चलते बिना कुछ खर्च किए नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी, उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी।

सूडोकु नवताल- 7816

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7815 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

मालवीय नगर अग्निकांडः जवाबदेही और सुधार से बचेगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त कर भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें- क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है- सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सबकुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है- क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण की अनसुनी चीख

मिथलेश दास

देश और दुनिया में विकास को प्रगति का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, नए उद्योग, आधुनिक तकनीक और आर्थिक वृद्धि को विकास की पहचान के रूप में देखा जाता है। लेकिन जब विकास की यह यात्रा प्रकृति के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाने लगे, तब यह सोचने की आवश्यकता पैदा हो जाती है कि क्या वास्तव में हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह प्रश्न विशेष रूप से झारखंड जैसे राज्य के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रकृति की अनुपम संपदा, घने जंगल, नदियाँ, पहाड़, खनिज संपदा और आदिवासी संस्कृति से समृद्ध झारखंड आज विकास और पर्यावरण के बीच एक गंभीर संघर्ष का केंद्र बन चुका है। विकास की अंधी दौड़ में जिस प्रकार जंगल कट रहे हैं, खदानें फैल रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं और प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, वह आने वाले समय के लिए गंभीर चेतावनी है। झारखंड को प्रकृति ने भरपूर संसाधनों से नवाजा है। देश के कुल खनिज संसाधनों का बड़ा हिस्सा इस राज्य में मौजूद है। कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, यूरेनियम, अभ्रक और अनेक खनिज यहाँ पाए जाते हैं। यही कारण है कि स्वतंत्रता के बाद से झारखंड औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बना। धनबाद की कोयला खदानें, बोकारो का इस्पात उद्योग, जमशेदपुर का औद्योगिक विकास और अनेक खनन परियोजनाएँ राज्य की आर्थिक प्रगति के प्रतीक माने गए। इन परियोजनाओं ने रोजगार और औद्योगिक उत्पादन बढ़ाया, लेकिन इसके साथ ही पर्यावरणीय क्षति का एक बड़ा अध्याय भी शुरू हुआ।

झारखंड का सबसे बड़ा पर्यावरणीय संकट खनन गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। खनन आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अनियंत्रित खनन ने राज्य की प्राकृतिक संरचना को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। धनबाद और झरिया क्षेत्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। दशकों से झरिया की भूमिगत कोयला खदानों में लगी आग आज भी लगातार जल रही है। यह आग केवल कोयले को नहीं जला रही, बल्कि मानव जीवन, पर्यावरण और भविष्य को भी प्रभावित कर रही है। भूमिगत आग के कारण भूमि धंस रही है, जहरीली गैसें निकल रही हैं और हजारों लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल स्थानीय समस्या नहीं बल्कि एक व्यापक पर्यावरणीय संकट है। खनन और औद्योगिक गतिविधियों के कारण वनों की कटाई तेजी से बढ़ी है। झारखंड की पहचान उसके जंगलों से रही है। यहाँ के साल, सखुआ, महुआ, पलाश और अन्य वृक्ष केवल पेड़ नहीं बल्कि यहाँ की संस्कृति और जीवन का हिस्सा हैं। आदिवासी समाज का जीवन जंगलों से जुड़ा हुआ है। उनकी परंपराएँ, त्योहार, भोजन, औषधियाँ और आजीविका का बड़ा हिस्सा जंगलों पर निर्भर करता है। लेकिन विकास परियोजनाओं के नाम पर लगातार जंगलों का क्षेत्र कम होता जा रहा है। हजारों हेक्टेयर वन भूमि खनन और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए उपयोग में लाई जा चुकी है।

जंगलों की कटाई का प्रभाव केवल पेड़ों तक सीमित नहीं रहता। इससे जैव विविधता पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। अनेक वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है। हाथियों और मनुष्यों के बीच बढ़ते संघर्ष की घटनाएँ झारखंड में लगातार सामने आ रही हैं। पहले जहाँ हाथियों के लिए पर्याप्त वन क्षेत्र उपलब्ध था, अब उनके प्राकृतिक मार्ग बाधित हो गए हैं। परिणामस्वरूप हाथी गाँवों की ओर आ रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता जा रहा है। जल संकट भी झारखंड के सामने उभरती हुई गंभीर चुनौती है। कभी झारखंड की नदियाँ जीवन का आधार मानी जाती थीं। दामोदर, स्वर्णरेखा, बराकर, कोयल और अन्य नदियाँ राज्य की पहचान रही हैं। लेकिन आज इन नदियों की स्थिति चिंताजनक है। औद्योगिक कचरे, खनन अपशिष्ट और प्रदूषण के कारण नदियों का जल दूषित हो रहा है। कई स्थानों पर पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। भूजल स्तर में गिरावट भी लगातार बढ़ रही है। गर्मियों के दौरान राज्य के कई क्षेत्रों में जल संकट की समस्या गंभीर रूप ले लेती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी झारखंड में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। कभी अपेक्षाकृत ठंडे और सुखद मौसम के लिए पहचाना जाने वाला झारखंड अब भीषण गर्मी और लू की चपेट में आने लगा है। कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुँचने लगा है। वर्षा का स्वरूप भी बदल रहा है। कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी सूखे जैसी परिस्थितियाँ देखने को मिल रही हैं। यह परिवर्तन कृषि और ग्रामीण जीवन को प्रभावित कर रहा है। झारखंड की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा कृषि और ग्रामीण गतिविधियों पर आधारित है। कृषि पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। यदि वर्षा असंतुलित होगी, जल संसाधन कम होंगे और मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होगी तो इसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। पर्यावरणीय असंतुलन का सबसे अधिक प्रभाव गरीब और ग्रामीण समुदायों पर पड़ता है क्योंकि उनके पास संसाधनों की कमी होती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि विकास और पर्यावरण को आज भी दो विरोधी अवधारणाओं के रूप में देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि यदि विकास करना है तो पर्यावरणीय क्षति स्वाभाविक है। लेकिन यह सोच अब बदलने की आवश्यकता है। दुनिया के अनेक देशों ने यह साबित किया है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। आवश्यकता केवल नीति और दृष्टिकोण बदलने की है। झारखंड में भी सतत विकास की अवधारणा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। विकास का अर्थ केवल उद्योगों की संख्या बढ़ाना नहीं होना चाहिए बल्कि ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा करे। खनन परियोजनाओं में पर्यावरणीय मानकों का कठोर पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। वृक्षारोपण कार्यक्रमों को केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जन आंदोलन बनाना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को व्यवहारिक रूप से लागू करने की आवश्यकता है। केवल पाठ्यपुस्तकों में पर्यावरण संरक्षण पढ़ाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा। विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के व्यावहारिक कार्यक्रमों से जोड़ना होगा। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। आदिवासी समुदायों की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली से भी सीखने की आवश्यकता है। सदियों से आदिवासी समाज प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीता आया है। सरहुल जैसे पर्व प्रकृति और वृक्षों के प्रति सम्मान का संदेश देते हैं। आधुनिक समाज को इन परंपराओं से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

आज विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक दिवस बनकर नहीं रह जाना चाहिए। पौधारोपण की तस्वीरें खिंचवाकर और सोशल मीडिया पर संदेश लिखकर पर्यावरण नहीं बचाया जा सकता। आवश्यकता वास्तविक प्रयासों की है। सरकार, उद्योग, समाज और आम नागरिक सभी को मिलकर कार्य करना होगा। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो जीवन को सुरक्षित बनाए, न कि उसे संकट में डाले। यदि आज भी हमने प्रकृति की इस अनसुनी चीख को नहीं सुना तो आने वाला समय बहुत कठिन हो सकता है। झारखंड की धरती, जंगल, नदियाँ और पहाड़ हमें लगातार संकेत दे रहे हैं कि अब संतुलन बनाने का समय आ चुका है। क्योंकि जब प्रकृति अपना संतुलन खो देती है, तब विकास की चमक भी मानव जीवन को बचा नहीं पाती। प्रकृति हमें सब कुछ देती है, लेकिन बदले में केवल संरक्षण चाहती है। यदि विकास की अंधी दौड़ इसी प्रकार चलती रही तो आने वाली पीढ़ियाँ हमसे यह प्रश्न अवश्य पूछेंगी कि जब जंगल कट रहे थे, नदियाँ सूख रही थीं और धरती अपनी पीड़ा व्यक्त कर रही थी, तब हम आखिर मौन क्यों थे? यही प्रश्न आज झारखंड के सामने खड़ा है और यही समय की सबसे बड़ी मांग भी है।

तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व बचाने की लड़ाई में कैसे जीत पाएंगी ममता

कृष्णमोहन झा

पश्चिम बंगाल में लगातार पंद्रह वर्षों तक सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस को हाल के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार ने अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पार्टी को टूटने से बचाने के लिए यद्यपि हरसंभव प्रयास कर रही हैं लेकिन हाल के पार्टी के अंदर चल रहे घटना क्रम से तो इसी नतीजे पर पहुंचा जा सकता है कि पार्टी के अस्तित्व पर आए इस गंभीर संकट को टालना ममता बनर्जी के लिए अब लगभग नामुमकिन जैसा हो गया है । राज्य में पहली बार सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी के प्रति आकर्षित होने वाले तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की संख्या में जिस तरह तेजी से इजाफा हो रहा है उससे ममता बनर्जी बेहद परेशान दिखाई दे रही हैं। राजनीति के इस मोड पर तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी के साथ खड़े दिखाई देने से उनकी ही पार्टी के अधिकांश नेता जिस तरह परहेज कर रहे हैं उससे यह कहावत याद आ जाती है कि लोग ऊगते सूर्य को ही नमस्कार करते हैं। जब वे धरना देती हैं। आज यह स्थिति बन चुकी है कि उनके साथ धरने पर बैठने के लिए तृणमूल कांग्रेस के मुट्ठी भर विधायक ही जुटते हैं। ममता बनर्जी के द्वारा विगत दिनों पार्टी विधायक दल की जो बैठक बुलाई गई थी उस बैठक में भी मात्र 20 विधायकों ने ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराना जरूरी समझा। पार्टी में फूट के संकेत वहीं से मिलने लगे थे ममता बनर्जी के लिए निसंदेह यह चिंता का विषय है कि 28 साल पहले कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने जिस तृणमूल कांग्रेस की नींव रखी थी उसमें उनको ही अलग थलग करने की कोशिश करने वाले पार्टी नेताओं की संख्या रोज बढ़ रही है और गौरतलब बात तो यह है कि पार्टी में उनके वर्चस्व को परोक्ष या अपरोक्ष रूप से चुनौती देने वाले नेता अपनी कोशिशों में लगातार सफल भी हो रहे हैं। यह भी कम दिलचस्प बात नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस के ऐसे कई नेता राज्य में पहली बार सत्ता में आई भाजपा सरकार के संपर्क में भी बने हुए हैं। इसीलिए ममता बनर्जी को यह चिंता सताना स्वाभाविक है कि अतीत में महाराष्ट्र में जिस तरह एकनाथ शिंदे और अजित पवार की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने शिवसेना और राष्ट्र वादी कांग्रेस को दो फाड़ कर दिया था उसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का सामना कहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को न करना पडे।

दरअसल तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित 80 विधायकों में से 58 बागी विधायकों द्वारा गत दिवस ऋतव्रत बनर्जी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिए जाने के बाद अब ममता बनर्जी को अब इस संशय में नहीं रहना चाहिए कि पार्टी को टूटने से बचाने के लिए उनकी कोई भी योजना अब कारगर साबित हो सकती है। ममता बनर्जी गुट के पास अब तृणमूल कांग्रेस के मात्र 22 विधायक बचे हैं। ये 22 विधायक अब सदन के अंदर विपक्ष में बैठेंगे परंतु यह संख्या 294 सदस्यीय विधानसभा के 10 प्रतिशत से कम होने के कारण उन्हें मान्यता प्राप्त विपक्षी दल का दर्जा नहीं मिल सकेगा। इसके विपरीत बागी गुट के नेता ऋतव्रत बनर्जी को चूंकि 58 विधायकों का समर्थन हासिल है इसलिए विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के नेता पद पर उनका दावा स्वीकार कर लिया। इतना ही, बिना किसी विलंब के उन्हें विधानसभा भवन में विपक्ष के नेता के लिए निर्धारित कक्ष भी आवंटित कर दिया गया। ऋतव्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनका गुट ही असली तृणमूल कांग्रेस है ।उन पर दलबदल कानून भी लागू नहीं होगा क्यों इस बागी गुट में तृणमूल कांग्रेस विधायक दल की कुल संख्या 80 के दो तिहाई से अधिक सदस्य शामिल हैं। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि यह गुट आगे चलकर तृणमूल कांग्रेस के चुनावचिन्ह और नाम पर भी अपना दावा पेश करने से परहेज नहीं करेगा। गौर तलब है कि ऋतव्रत बनर्जी और सांदीपन साहा को ममता बनर्जी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में विगत दिनों तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित कर दिया था। ऋतव्रत बनर्जी ने पिछले माह नईदिल्ली स्थित बंग भवन में मुख्य मंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की थी। पश्चिम बंगाल की मार्क्सवादी पार्टी से अपनी राजनीति की शुरूआत करने वाले ऋतव्रत बनर्जी बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गये थे और जल्द ही उन्होंने ममता बनर्जी का विश्वास भी हासिल कर लिया था परंतु ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के दूसरे सबसे बडे. नेता अभिषेक बनर्जी का पार्टी के अंदर वर्चस्व को उन्हें रास नहीं आया। गौर तलब है कि अभिषेक बनर्जी ने पार्टी में जिस कारपोरेट संस्कृति को बढ़ावा दिया वह तृणमूल कांग्रेस के क ई वरिष्ठ नेताओं के असंतोष की बड़ी वजह बनी। पार्टी के असंतुष्ट नेताओं में पश्चिम बंगाल से निर्वाचित लोकसभा सदस्य काकोली घोष दस्तीकार भी शामिल हैं जिन्हें ममता बनर्जी ने विधान सभा चुनावों में पार्टी में करारी हार के बाद लोकसभा में पार्टी की चीफ व्हिप के पद से हटा दिया था। इसके बाद काकोली घोष ने पार्टी में सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया था। काकोली घोष ने लोकसभा में पार्टी के वरिष्ठ सदस्य कल्याण बनर्जी पर उनके साथ दुर्व्यवहार के आरोप भी लगाए। तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीतिकार संस्था आई पैक को अभिषेक बनर्जी के संरक्षण ने भी तृणमूल कांग्रेस के अंदर असंतोष को और बढावा दिया। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य सायोनी घोष ने भी विगत कुछ दिनों से पार्टी मामलों से जो दूरी बना ली है वह भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार तृणमूल कांग्रेस के अस्तित्व पर ऐसे गंभीर संकट का सबब बन गई है जो आगे आने वाले समय में और गहरा सकता है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

दैनिक पंचांग

5 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

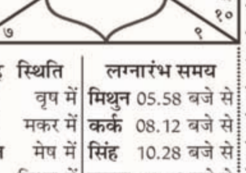

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.58 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	08.12 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.28 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.40 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.51 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.05 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.27 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.13 बजे से
		मीन	00.46 बजे से
राहुकाल		मेष	02.16 बजे से
10.30 से 12.00 बजे तक		वृष	03.56 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 156 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 01.21 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण अहोरात्र।
योग ब्रह्म 09.43 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.29 बजे तदनन्तर तैतिल 01.21 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872731
जूलियन दिन 2461196.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 19
विशेष विश्व पर्यावरण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

तेज रफ्तार दो बाइक आपस में टकराई किशोर व युवक घायल

साहिबगंज: जिले के बरहेट थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में किशोर व युवक घायल हो गया। दोनों घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां अस्पताल में चिकित्सक डॉ मुकेश कुमार ने दोनों घायल का इलाज प्रारंभ किया। मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र निवासी लखिचंद मढैया (20) व पूलम सोरेन (15) है। दोनों एक बाइक में सवार होकर किसी काम को लेकर बाजार जा रहा था। इस बीच विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकरा गई जिससे किशोर समेत युवक घायल हो गया। बरहाल दोनों घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया।

छत से गिरकर गर्भवती महिला घायल, रेफर

साहिबगंज: जिले के बोरियो थाना क्षेत्र की दुमकी गांव की मंगली पहाड़िन (40) गुरूवार की सुबह छत से गिर कर बुरी तरह घायल हो गयी। मंगली आठ माह की गर्भवती है। परिजनों ने आनन-फानन में ईलाज के लिए बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया। जहां मौके पर उपस्थित डॉ. साकेत सोनू ने गंभीर अवस्था में बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्तपताल साहिबगंज रेफर कर दिया।

बाइक दुर्घटना में तीन घायल, दो रेफर

साहिबगंज: जिले के बोरियो-बरहेट मुख्य पथ के हाथमारी के पास बाइक दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गया। दो को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्तपताल रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र के कालदोह से पिता-पुत्र जेठा किस्कू (50) एवं अर्जुन किस्कू (26) बाइक से बोरियो की ओर आ रहे थे। हाथमारी निवासी बाबूराम मरांडी (25) अचानक अपने घर से दौड़ कर निकल कर सड़क पार कर रहा था। बाईक के चपेट में आ गया। दुर्घटना में तीनों घायल हो गए। ईलाज के लिए तीनों घायलों को बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया गया। मौके पर उपस्थित डॉ. साकेत सानू ने प्राथमिक उपचार किया। डॉ. साकेत सानू ने बताया कि बाईक चालक अर्जुन किस्कू एवं बाबूराम मरांडी गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों घायलों को बेहतर ईलाज के किए रेफर कर दिया गया। जेठा किस्कू को आंशिक चोट आयी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

क्रिकेट टूर्नामेंट में मारपीट में एक को भेजा जेल

साहिबगंज: बरहेट थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट में मारपीट करने के मामले में एक युवक को पुलिस ने जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार युवक बरमसिया गांव के इंजमामूल हक रघुनाथपुर स्थित मैदान में क्रिकेट खेल के दौरान मारपीट हुई थी। वही 11/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जहां पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में साहिबगंज जेल भेज दिया है।

राजमहल प्रखंड में ग्राम सभा का हुआ आयोजन

साहिबगंज: राजमहल प्रखंड अंतर्गत गुनिहारी पंचायत एवं विभिन्न पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आवास पल्स 2024 हाउसहोल्ड सर्वे के अंतर्गत आवास सॉफ्ट में ग्राम पंचायत में ग्राम सभा ड्राफ्ट परमानेंट वेट लिस्ट को अंतिम रूप प्रदान करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ मो यूसुफ ने सभी पंचायत स्तरीय कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम सभा एसओपी के अनुरूप करते हुए विभाग द्वारा दिए गए निर्देश के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया गया।

डीसी की में अध्यक्षता आपूर्ति विभाग की हुई समीक्षा बैठक समयबद्ध खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक, उठाव प्रभारी तथा परिवहन सह हथालन अभिकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में उपायुक्त ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि पात्र लाभुकों तक खाद्यान्न की समयबद्ध एवं निर्बाध आपूर्ति प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने जून 2026 माह के खाद्यान्न की शत-प्रतिशत डोर स्टेप डिलिवरी तथा जुलाई 2026 माह के खाद्यान्न का समय पर उठाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों एवं प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधकों को निर्देशित किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर खाद्यान्न वितरण का कार्य पूर्ण किया जाए तथा किसी भी पात्र लाभुक को राशन प्राप्त करने में कठिनाई न हो। साथ ही ऐसे जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं की सूची उपलब्ध कराने को कहा जो नियमित वितरण नहीं कर रहे हैं अथवा कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि राशन वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही अथवा शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्यान्न के समयबद्ध उठाव एवं वितरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने परिवहन सह हथालन अभिकर्ता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न परिवहन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। आवश्यकता के अनुरूप वाहनों की संख्या बढ़ाकर उठाव एवं वितरण कार्य को समय पर पूरा किया जाए, ताकि लाभुकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में विभागीय योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही नमक, चना दाल, धोती-साड़ी एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों के वितरण की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी सामग्रियों का वितरण निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने धोती-साड़ी योजना के अंतर्गत देय राशि दस दिनों के भीतर जमा कराने का निर्देश भी दिया। उपायुक्त ने कहा कि खाद्यान्न अथवा अन्य आवश्यक वस्तुओं के अभाव में किसी भी पात्र व्यक्ति को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करने का निर्देश दिया। उन्होंने ई-केवाईसी कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने पर बल देते हुए रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता बैनर लगाने का निर्देश दिया। साथ ही श्रम विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर प्रवासी श्रमिकों (माइग्रेट लेबर) को ई-केवाईसी के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में प्रभावी पहल करने को कहा, ताकि कोई भी पात्र लाभुक योजना के लाभ से वंचित न रहे।

झारखंड मजदूर संघ की प्रखंड चयन को लेकर अहम बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : 4 जून 2026 को प्लस टू हाई स्कूल बरहरवा परिसर में 11:00 बजे दिन में झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) जिला महामंत्री सह प्रखंड प्रभारी मो इमाम विश्वास की अध्यक्षता में प्रखंड अध्यक्ष का पुनर्गठन आयोजित हुई है इस बैठक में केंद्र महामंत्री राजकुमार यादव उपस्थित हुए।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि किसी भी संगठन के लिए कार्यकर्ता होना अति आवश्यक है संघ के नियमों के आधार पर चलना ही अनुशासन का प्रतीक माना गया है। प्रखंड नगर प्रभारी मो इमाम विश्वास ने बताया कि प्रखंड और नगर स्तरीय कमेटी का पुनर्गठन करना है जिसमें से प्रत्येक प्रखंड और नगर कमेटी में 15 सदस्य का होना आवश्यक है, सर्व समिति से बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष जितेन रजक, प्रखंड महामंत्री मो हिफाजुल विश्वास, कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण यादव, उपाध्यक्ष गणेश रविदास, कोषाध्यक्ष सुदन सरदार को चुना गया और नगर अध्यक्ष आलोक कुमार घोष, नगर महामंत्री अकरम हुसैन, उपाध्यक्ष अजय रामानी, एवं सदस्य मंटू गुप्ता का चयन किया गया। मौके पर बैठक में जिला कार्यकारी अध्यक्ष मो सईद अख्तर, रीता मुर्मू , फुल सोरेन, मिथुन दास, मिथुन घोष, सुभाषटेन टुडू इत्यादि शामिल थे।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से मिला मनरेगा कर्मियों का प्रतिनिधि मंडल, सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड में झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ (झारखण्ड प्रदेश कमिटी) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को झारखंड राज्य के पूर्व मंत्री एवं काँग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम से उनके पैतृक आवास इस्लामपुर में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें बुके एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुलाकात के दौरान संघ के प्रतिनिधियों ने राज्यभर के मनरेगा क्षेत्रीय कर्मियों की वर्तमान स्थिति,लंबित मांगों एवं चल रहे आंदोलन के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व मंत्री को बताया कि झारखण्ड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर राज्य के मनरेगा क्षेत्रीय कर्मी 12 मार्च 2026 से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। हड़ताल को 85 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। संघ के प्रतिनिधियों ने पूर्व मंत्री को अवगत कराया कि विभागीय स्तर पर कई दौर की वार्ता आयोजित की गई तथा विभिन्न मुद्दों पर सहमति भी बनी, लेकिन सहमति के अनुरूप बिंदुओं को विभाग द्वारा तैयार किए गए समझौता मसौदे में स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया। संघ द्वारा आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद संशोधित मसौदा उपलब्ध नहीं कराया गया और न ही आगे की वार्ता आयोजित की गई। इसके कारण आंदोलनरत कर्मियों में निराशा व्याप्त है। इस दौरान संघ ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा,जिसमें प्रमुख मांगों के समाधान हेतु उनके हस्तक्षेप एवं समर्थन की मांग की गई। ज्ञापन में मनरेगा क्षेत्रीय कर्मियों को राज्य मनरेगा कोषांग के कर्मियों के समान ग्रेड-पे आधारित मानदेय व्यवस्था में शामिल करने,उड़ीसा मॉडल के आधार पर पांच वर्ष अथवा उससे अधिक सेवा अवधि पूर्ण कर चुके कर्मियों के लिए वन टाइम एब्जॉर्शन नीति लागू कर स्थायी समायोजन करने तथा सेवा अवधि के दौरान दिवंगत हुए 156 मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

12 घंटे में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार नकदी, मोबाइल व चांदी के आभूषण बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

महेशपुर : पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र के दमदमा गांव में हुए चोरी कांड का पाकुड़ पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया। मामले में पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की नकदी, मोबाइल फोन तथा चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार 3 जून को दमदमा गांव निवासी रियाजुद्दीन शेख के घर में चोरी की घटना हुई थी। घटना की सूचना मिलने पर महेशपुर थाना में कांड संख्या 88/2026 दर्ज कर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महेशपुर के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। जांच के दौरान तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने कांसादिग्धी के समीप छापेमारी कर पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला अंतर्गत मुरारोई थाना क्षेत्र के बालीआरा निवासी अलाउद्दीन शेख को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 4 हजार रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में उसने दमदमा गांव में चोरी की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर कांसादिग्धी पुलिया के नीचे छिपाकर रखे गए चोरी के सामान बरामद किए गए, जिनमें एक रेडमी मोबाइल फोन, चांदी का बाला, चांदी का टीका तथा 12,500 रुपये नकद शामिल हैं। इस प्रकार कुल 16,500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी चोरी के कई मामलों में संलिप्त रह चुका है तथा उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुरारोई थाना में आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। छापेमारी दल में एसडीपीओ विजय कुमार, पुलिस निरीक्षक मदन शर्मा, थाना प्रभारी रवि शर्मा सहित महेशपुर थाना एवं रद्दीपुर ओपी के पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे।

तेज रफ्तार हाईवा ट्रेलर पुलिया से टकराई, वाहन व पुलिया क्षतिग्रस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र के रिसौड़ के समीप बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक तेज रफ्तार हाईवा ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक छोटी पुलिया से जा टकराई। दुर्घटना में ट्रेलर और पुलिया दोनों को नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि या चालक के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाईवा ट्रेलर काफी तेज गति से फरक्का की ओर जा रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रेलर सड़क से हटकर पुलिया से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिया का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं वाहन के अगले हिस्से को भी काफी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। दुर्घटना के कारण सड़क पर यातायात भी कुछ देर के लिए प्रभावित रहा। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है। इस मार्ग पर हाईवा, ट्रेलर और अन्य भारी वाहनों का लगातार आवागमन होता है, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। बावजूद इसके वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण और नियमित निगरानी के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मुख्य मार्ग पर गति नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, चेतावनी संकेतक और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं ।

उधवा झील में स्वच्छता और हरियाली की मुहिम, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर उधवा झील पक्षी आश्रयणी में प्रकृति संरक्षण को समर्पित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान, पौधारोपण तथा स्थानीय समुदाय के साथ जागरूकता संवाद के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पक्षी संरक्षण का संदेश दिया गया।सुबह से ही वनकर्मी एवं सहयोगी झील क्षेत्र की सफाई में जुटे रहे। झील के किनारों एवं आसपास के क्षेत्रों से प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री हटाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में सामूहिक प्रयास किया गया। इसके साथ ही आश्रयणी परिसर एवं आसपास के उपयुक्त स्थलों पर पौधारोपण कर हरित आवरण बढ़ाने की पहल की गई।कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय ग्रामीणों एवं आगंतुकों के साथ संवाद रहा। लोगों को आर्द्रभूमियों के महत्व, स्वच्छ परिवेश की आवश्यकता तथा पक्षियों के संरक्षण में समुदाय की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों से आग्रह किया गया कि वे झील क्षेत्र में कचरा न फैलाएं और इस महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर की स्वच्छता एवं सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग करें। वनकर्मियों ने बताया कि उधवा झील पक्षी आश्रयणी केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों में से एक है, जहां प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में प्रवासी एवं स्थानीय पक्षी आश्रय प्राप्त करते हैं। ऐसे संवेदनशील आवासों का संरक्षण जैव विविधता संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों, वन्यजीवों और पक्षी आवासों की सुरक्षा के लिए जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने लोगों से प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने तथा संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रधान वनरक्षी अखिलेश मरांडी, जलज समन्वयक वरुण कुमार तथा उधवा झील पक्षी आश्रयणी के वनकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों ने आम मेले में दिखाई अपनी सफलता की मिसाल

पाकुड़ : ज़िले में झारखण्ड सरकार की महत्वाकांक्षी बिरसा हरित ग्राम योजना के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इसी कड़ी में हिरणपुर प्रखंड परिसर में आयोजित आम मेला में योजना के लाभुकों ने अपने बागानों में उत्पादित विभिन्न प्रजातियों के आमों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई तथा आमों की बिक्री कर अपनी सफलता की कहानी प्रस्तुत की। मेले में लाभुकों द्वारा आम्रपाली, मालदह, खिरसापति, मियाजाकी सहित कई उन्नत एवं स्वादिष्ट किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए। आमों की गुणवत्ता, आकर्षक प्रस्तुति एवं विविधता ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आगंतुकों ने आमों की खरीदारी कर स्थानीय किसानों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उपस्थित अंचल अधिकारी, परियोजना पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ने स्टॉलों का अवलोकन किया तथा लाभुकों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण किसानों की आय वृद्धि, रोजगार सृजन एवं फलोत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। किसानों की मेहनत और लगन से यह योजना आत्मनिर्भरता एवं समृद्धि का माध्यम बन रही है। अधिकारियों ने लाभुकों को फलोत्पादन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने तथा उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन किसानों को अपनी उपज प्रदर्शित करने, बाजार उपलब्ध कराने तथा अन्य किसानों को प्रेरित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। आम मेले के माध्यम से लाभुकों को अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिलने के साथ-साथ आमजन को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण फलों की उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई। यह आयोजन कृषि एवं बागवानी आधारित आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान का हुआ समापन

पाकुड़ : ज़िले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर दिनांक 28 मई 2026 से 04 जून 2026 तक संचालित चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो अभियान का समापन गुरुवार को जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों के साथ किया गया। जिला जल एवं स्वच्छता समिति, पाकुड़ के नेतृत्व में सभी प्रखंडों, पंचायतों एवं गांवों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर किशोरियों, महिलाओं एवं ग्रामीण समुदाय को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के समापन अवसर पर अमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें माहवारी स्वच्छता, महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान एवं सुरक्षित व्यवहार को लेकर विस्तार से जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को माहवारी से जुड़े मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने तथा स्वच्छता संबंधी सही व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं पाकुड़ प्रखंड की शहरकोल पंचायत अंतर्गत ग्राम गोसाईपुर में ग्रामीणों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा आदिवासी सांस्कृतिक नृत्य एवं लोक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन का प्रभावी संदेश दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए किशोरियों एवं महिलाओं को सुरक्षित माहवारी प्रबंधन, स्वच्छ पैड अथवा साफ कपड़े के उपयोग तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को यह संदेश दिया गया कि ेसुरक्षित स्वास्थ्य अपनाना है तो पैड अथवा स्वच्छ कपड़े का उपयोग करना है तथा पर्यावरण हमारी साझा जिम्मेदारी है, इसलिए माहवारी अपशिष्ट का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से निपटान करना है। साथ ही स्वच्छता शपथ दिलाकर सभी को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक (आईईसी) इमरान आलम, कनीय अभियंता शुभेंदु मिश्रा, मास्टर जलसहिया रेणुका मुर्मू, जलसहिया दीदियां, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आरपीएफ ने बरहरवा स्टेशन पर चार नाबालिक बालकों का किया रेस्क्यू

साहिबगंज: बरहरवा स्टेशन पर 04 जून बीते रात्रि समय 00 .05 बजे से मानव तस्करी एवं बाल श्रम, टीओपीबी तथा अन्य संबंधित अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से आरपीएफ इंस्पेक्टर/बरहरवा संजीव कुमार के पर्यवेक्षण में एएसआई/अजय कुमार हांसदा, सीटी/प्रवीण कुमार (आरपीएफ पोस्ट बरहरवा) तथा सीटी/राहुल कुमार, सीटी/एस.के. सुमन एवं सीटी/रितेश कुमार (सीपीडीएस टीम मालदा द्वार बरहरवा रेलवे स्टेशन पर संयुक्त छापामारी एवं सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशन के प्रतीक्षालय (वेटिंग रूम) के समीप चार नाबालिग बालक संदिग्ध अवस्था में बिना किसी सामान के घूमते हुए पाए गए। पूछताछ करने पर सभी ने अपनी आयु क्रमश: 16, 16, 15 एवं 16 वर्ष बताई तथा अपना निवास थाना बरहेट, जिला साहिबगंज (झारखंड) क्षेत्र का बताया। गहन पूछताछ में बालकों ने स्वीकार किया कि वे अपने परिजनों को बिना सूचना दिए घर से निकलकर बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंचे थे तथा मजदूरी करने के उद्देश्य से कोलकाता जाने की योजना बना रहे थे। नाबालिग होने तथा परिस्थितियों के संदिग्ध पाए जाने पर आरपीएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी बालकों को सुरक्षित संरक्षण में लिया और आगे की कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। इसके उपरांत उनके अभिभावकों से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क स्थापित कर घटना की सूचना दी गई। सभी आवश्यक कानूनी एवं बाल संरक्षण संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद चारों नाबालिग बालकों को मंथन संस्था की प्रतिनिधि आराधना मंडल, अंसु मालाकार तथा चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज के मो. इकबाल के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उन्हें समुचित देखभाल एवं आगे की आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके। रेलवे सुरक्षा बल ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दें।

एक नजर

तालाब में डूबने से युवक की मौत, भाई को बचाने में गंवाई जान

बेरमो : फुसरो-चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के झारनाडीह में तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। चंद्रपुरा के झारनाडीह स्थित तालाब में आज सुबह नहाने गए युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक ने अपने चचेरे भाई को डूबने से बचाया लेकिन खुद गहरे पानी में समा गया। झारनाडीह निवासी मिलटन यादव के बड़े पुत्र दीपक यादव आज सुबह गांव आए चचेरे भाई के साथ स्थानीय तालाब में नहाने गया था। नहाने के दौरान चचेरा भाई गहरे पानी में चला गया। दीपक ने भाई को बचाने के लिए तुरंत गहरे पानी में छलांग लगा दी। उसने भाई को तो बचा लिया लेकिन खुद डूब गया। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दीपक को पानी से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे डीवीसी अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है चंद्रपुरा पुलिस मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

दिल्ली दौरे से लौटे पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां का टाटानगर स्टेशन पर स्वागत

जमशेदपुर : पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता दुलाल भुईयां के दिल्ली दौरे से लौटकर जमशेदपुर पहुंचने पर गुरुवार को उनके समर्थकों ने टाटानगर रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत किया। स्टेशन परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाईं और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्वागत समारोह के दौरान दुलाल भुईयां ने अपने दिल्ली दौरे के संबंध में बताया कि उनका यह दौरा पूरी तरह जनहित से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और लोगों की परेशानियों को केंद्र नेतृत्व के समक्ष रखने के उद्देश्य से दिल्ली गए थे। उन्होंने क्षेत्र की स्वास्थ्य, कृषि और विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगों को विस्तार से केंद्रीय नेताओं के सामने रखा। दुलाल भुईयां ने कहा कि उनके दौरे का प्रमुख उद्देश्य पुराने एमजीएम अस्पताल के नवनिर्मित भवन में एम्स जैसी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को केंद्र सरकार तक पहुंचाना था। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उनसे भी केंद्रीय नेतृत्व को अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल की आवश्यकता है,ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

NOTICE

I, **AASISH GUPTA**, S/o Shashi Bhushan Gupta, Resident of Sector-9, A-Road, Shiv Shakti Colony, P.O. Sector-9, P.S. Harla, B.S. City, District Bokaro, Jharkhand-827009, do hereby declare by Affidavit no. A831 Dated 22-05-2026 as follows:
1. that my correct name is **AASISH GUPTA**, as recorded in my Aadhaar Card No. 3821 0347 2950 and PAN Card No. BLXPG93218.
2. However, my name has been erroneously recorded as **ASHISH KUMAR** in my Bank of India, Account No. 479510110014446.
3. I hereby declare that **AASISH GUPTA** and **ASHISH KUMAR** refer to one and the same person, i.e., myself. Henceforth, I shall be known and identified as **AASISH GUPTA** for all purposes and records.

अपहरण कांड का 5 घंटे में खुलासा, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गढवा : जिले की पुलिस ने अपहरण और फिरौती मांगने के एक सनसनीखेज मामले का महज पांच घंटे के भीतर खुलासा करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया है, वहीं दो अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है।

साथ ही दो मोबाईल फोन को बरामद किया गया है। एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।

एसडीपीओ के अनुसार 03 जून को सूचना मिली कि एलएनटी कंपनी में पाईप फिटर मुरारी तिवारी (32) का अज्ञात अपराधियों के ने अपहरण कर लिया है और उनके परिजनों से फिरौती मांगी जा रही है।

कार्रवाई के लिए विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें श्री बंशीधर नगर के पुलिस इंस्पेक्टर जितेन्द्र कुमार आजाद, मझिआंव के पुलिस इंस्पेक्टर बृज कुमार, भवनाथपुर के थाना प्रभारी रजनी रंजन, मझिआंव के थाना प्रभारी अमित कुमार, हरिहर पुर ओपी प्रभारी नसीम अंसारी, धुरकी के पुअनि सुभाषकांत अकेला एवं शेखर कुमार सिंह को शामिल किया गया।

टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मझिआंव थाना क्षेत्र के चंदना गांव में छापेमारी की। यहां से शेख अंसार और नदीम खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। शेख और नदीम ने स्वीकार किया कि अपहृत के परिजनों से स्कैनर के माध्यम से 30 हजार रुपये मंगवाये गये थे। उन्होंने इस वारदात में शामिल अन्य अपराधियों के नामों का भी खुलासा किया। पुलिस की लगातार दबिश के कारण अपराधियों ने अपहृत मुरारी तिवारी को चंदना और रमना गांव के बीच में छोड़ कर फरार हो गये। इस प्रकार पुलिस ने युवक को घटना के मात्र पांच घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया।

पीड़ित मुरारी ने पुलिस को बताया कि वह 03 जून को सगमा स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पास कार्य कर रहे थे। दोपहर में एक सफेद बोलेरो में सवार चालक सहित छह अपराधियों ने उनका अपहरण कर लिया। अपराधी उनसे साढ़े सात लाख रुपये की फिरौती मांग रहे थे। परिजनों से 30 हजार रुपये ऑनलाईन भी मंगवाये गये थे।

पीड़ित के बयान के आधार पर धुरकी थाना में मामला दर्ज किया गया। अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। दोनों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मौके पर श्री बंशीधर नगर के पुलिस इंस्पेक्टर जितेन्द्र कुमार आजाद, मझिआंव के पुलिस इंस्पेक्टर बृज कुमार, भवनाथपुर के थाना प्रभारी रजनी रंजन, मझिआंव के थाना प्रभारी अमित कुमार मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप, युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और बाद में विवाह से इनकार करने के आरोप में बालीडीह थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 19 मई 2026 को बालीडीह थाना क्षेत्र की एक महिला ने लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया था कि राहुल तिर्की नामक युवक ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब महिला ने विवाह करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने शादी से साफ इनकार कर दिया। इसके अलावा महिला ने आरोपी पर मानसिक प्रताड़ना और धमकी देने का भी आरोप लगाया। आवेदिका के बयान के आधार पर बालीडीह थाना में कांड संख्या-90/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुरुवार को आरोपी राहुल तिर्की, पिता प्रदीप तिर्की, निवासी कुमीर्डीह, मिशन स्कूल के पास, थाना बालीडीह, जिला बोकारो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस अवर निरीक्षक नित्यानंद भोक्ता, पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार यादव, हवलदार शोभापति मिंज तथा आरक्षी मरियानुस जोजो शामिल रहे।

पानी की टंकी टूटने से प्रभावित हुए कई परिवार, प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी, सेक्टर-6। सेक्टर-6 के आवास संख्या 2265 से 2276 तक के निवासियों ने पानी की टंकी क्षतिग्रस्त होने के कारण उत्पन्न जल संकट को लेकर नगर सेवा भवन के मुख्य महाप्रबंधक को आवेदन सौंपा है।

निवासियों के अनुसार, आवासों में लगी पानी की टंकी टूटकर अंदर गिर गई है, जिसके कारण घरों में नियमित जलापूर्ति बाधित हो गई है। प्रभावित परिवारों को पानी की भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस समस्या से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है तथा लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षतिग्रस्त टंकियों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए ताकि जलापूर्ति सामान्य हो सके। उन्होंने इस मामले में विशेष ध्यान देने और जल्द कार्रवाई करने की अपील की है। आवास संख्या 2265 से 2276 तक के कई निवासियों ने आवेदन पर हस्ताक्षर कर अपनी सहमति जताई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

13वीं झारखंड राज्य कबड्डी चैम्पियनशिप आज से, बोकारो जिला कबड्डी टीम घोषित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : 13वीं झारखंड राज्य कबड्डी चैम्पियनशिप का आयोजन डा. जेके सिन्हा मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल ऑफ लर्निंग धनबाद में 5 जून से लेकर 7 जून तक किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बोकारो जिला कबड्डी एसोसएिशन के सचिव मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि इस तीनदिवसीय अंतर जिला कबड्डी चैम्पियनशिप में बोकारो जिला की बालक व बालिका कबड्डी टीम भी हिस्सा लेगी। इस अंतर जिला कबड्डी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने को लेकर बोकारो जिला की बालक व बालिका टीम की घोषणा गुरूवार को कर दी गई। इसके बाद समारोह की मु ख्य अतिथि डॉ संघमिता सिंह ने बालक व बालिका टीम के सभी खिलाड़ियों को जर्सी प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा खिलाड़ी अंतर जिला कबड्डी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर बोकारो जिला का नाम रोशन करेंगे। बोकारो जिला की बालक टीम में अमित कुमार, भागीरथ किस्कु, आयुश कुमार, नीरज किस्कु, शैम्पी कुमार, मोहित राज, प्रिंस कुमार, निखिल कुमार, राजेश कुमार, प्रीतम कुमार व मोहित कुमार को शामिल किया गया है। बालक टीम का टीम मैनेजर अमित कुमार बनाए गए हैं। जबकि बालिका वर्ग में आरती कुमारी, आकांक्षा तिवारी, उमा कुमारी, ईशा कुमारी, नंदनी कुमारी, परिमिता कुमारी, सलोनी कुमारी, खशुी कुमारी, टीशा कुमारी, आशा कुमारी व पूनम कुमारी शामिल की गई है। बालिका टीम के टीम मैनेजर सुनिता शर्मा को बनाया गया है। मौके पर मीरा सिंह, ओमप्रकाश, महेन्द्र तिवारी, विकाश पांडे व रजनीश शामिल रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

महुदा : धनबाद-बोकारो मार्ग स्थित तेलमोच्चो पुल के समीप दामोदर नदी के भतुआ घाट में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान तेलमोच्चो पंचायत के लाहरबेड़ा निवासी धनेश्वर रविदास उर्फ कोका (65 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी मजदूरों के अनुसार, दोपहर में तेलमोच्चो के राजेंद्र प्रसाद साव के ट्रैक्टर में दामोदर नदी के भतुआ घाट से बालू लोड किया जा रहा था। बालू लोड होने के बाद जैसे ही ट्रैक्टर आगे बढ़ा, मजदूर धनेश्वर रविदास उसकी चपेट में आ गए। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने चालक को रोकने के लिए शोर मचाया, लेकिन ट्रैक्टर आगे बढ़ता रहा। ट्रैक्टर से दब जाने के कारण धनेश्वर रविदास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर ट्रैक्टर मालिक राजेंद्र प्रसाद साव घायल मजदूर को अपनी कार से लेकर बोकारो सदर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बोकारो में गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : माराफारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को गांजा जैसे मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बोकारो स्टील प्लांट गेट के पास गश्ती के दौरान की गई।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 03.06.2026 को संध्या गश्ती के समय लगभग 18:15 बजे पुलिस को सूचना मिली थी। जब गश्ती दल मौके पर पहुँचा तो एक व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान राहुल कुमार गुप्त उर्फ गुड्डु (उम्र लगभग 26 वर्ष), पिता भोला साव, निवासी दुन्दीबाग बाजार, थाना बीएस सिटी, जिला बोकारो तथा स्थायी पता बेलघाट बलुआ, थाना मुफसिल, जिला भोजपुर (बिहार) के रूप में हुई।

तलाशी लेने पर उसके पास से गांजा जैसी वस्तु की 5 पुड़िया बरामद की गई। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) की मौजूदगी में आगे की कार्रवाई की गई। आरोपी की निशानदेही पर दुन्दीबाग बाजार स्थित एक गुमटी में छापेमारी की गई, जहाँ से एक सफेद प्लास्टिक थैले में करीब 700 ग्राम गांजा जैसा पदार्थ मिला। इसके अलावा दो डिब्बों में सिगरेट के रूप में नशीला पदार्थ पाया गया, जिनमें एक डिब्बे में 56 पीस और दूसरे में 20 पीस थे। मौके से 4205 रुपये नकद और एक "Paris Special Filter Cigarette" का डिब्बा भी बरामद किया गया। सभी सामान को पुलिस ने विधिवत जब्त कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया है और उसके खिलाफ माराफारी थाना कांड संख्या 60/2026, धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

कर्मियों की लेटलतीफी पर भड़के अध्यक्ष रमेश हर्षधर, नगर परिषद के मुख्य द्वार पर जड़ा ताला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नगर परिषद कार्यालय में कर्मियों की लगातार लेटलतीफी को लेकर बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने मुख्य प्रवेश द्वार पर ताला जड़ दिया। अध्यक्ष की इस कार्रवाई से कार्यालय में मौजूद कर्मियों और आम लोगों के बीच चर्चा का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष रमेश हर्षधर को पिछले कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि नगर परिषद के कई कर्मी निर्धारित समय पर कार्यालय नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे अपने कार्यों के लिए आने वाले आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार को अध्यक्ष स्वयं कार्यालय पहुंचे तो देखा कि कई लोग अपने जरूरी कार्यों के लिए कार्यालय परिसर में इंतजार कर रहे थे। अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों से जानकारी ली तो पता चला कि संबंधित विभाग के कुछ कर्मी सुबह 11 बजे के बाद भी कार्यालय नहीं पहुंचे थे।

इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने नगर परिषद कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। अध्यक्ष की इस कार्रवाई से कार्यालय कर्मियों के बीच हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई।

अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने कहा कि आम जनता की सुविधा सर्वोपरि है और कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना सभी कर्मियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनता को अनावश्यक रूप से इंतजार कराना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अंकित गुप्ता ने अध्यक्ष से बातचीत की और कर्मियों के विलंब से पहुंचने का कारण बताया। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में चल रहे जनगणना कार्य में नगर परिषद के कई कर्मी भी लगाए गए हैं, जिसके कारण कुछ कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं। कार्यपालक पदाधिकारी अंकित गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष को पूरी स्थिति से अवगत करा दिया गया है। इसके बाद कार्यालय की तालाबंदी समाप्त कर दी गई और कार्यालय का कार्य सामान्य रूप से शुरू हो गया। इस घटना के बाद नगर परिषद कार्यालय में समय पालन और कार्य संस्कृति को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। वहीं आम नागरिकों का कहना है कि कार्यालयों में समय पर कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित होने से लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

संक्षिप्त खबरें

एसिड में काम करने वालों के साथ मनमानी बन्द करना होगा : बि के चौधरी

बोकारो : सीआरएम 1,2 मे पिकलिंग लाईन के लिए पाईप लाईन द्वारा एसिड देने तथा सीट क्वाईल से निकलने बाला कचडा को री जेनरेशन कर पुन: एसिड तैयार करने के लिए बोकारो स्टील के द्वारा इन्डोक्स ग्लोबल प्राईबेट लिमिटेड को टेन्डर दिया जाता है जो तीन साल के लिए होता है लेकिन टेन्डर लेने बाले एक हीं परिवार का सदस्य होता है जो कम्पनी बदलकर टेन्डर लिया करता है। लेकिन एसिड मे काम करने बाले मजदूरों को उनका हक अधिकार, आर्थिक और मानसिक शोषण करने मे निपुणता हांसिल किये हुआ है। मजदूरों से सम्बंधित मांगपत्र 16 अप्रैल को दिया गया था लेकिन 3 मई तक मांगो पर किसी तरह का प्रतिक्रिया नही मिलने पर आज झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व युनियन प्रतिनिधिमंडल ने इन्डोक्स ग्लोबल प्राईबेट लिमिटेड बोकारो युनिट के महाप्रबंधक राजेशवर महतो जी के द्वारा कम्पनी के प्रबंध निदेशक को दिनांक-19/06/26 से 25/06/26 तक (सात दिवसीय) मांगपत्र सह हड़ताल नोटिस दिया कि अगर 14 दिनों के भीतर अगर मांगो का समाधान नही हुआ तो निर्धारित समय पर हड़ताल होगा जिसका प्रतिलिपि सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद, मुख्य महाप्रबंधक सीआरएम 1,2 एवं महाप्रबंधक एच आर (आई आर) को भी दिया गया है। मांगो मे समय समय पर बोकारो स्टील कन्ट्रेक्ट लेवर सेल द्वारा भी डीए के बढ़ोतरी के आदेश को मानते हुए मजदूरों को भुगतान करना, 20 दिन कार्याअवधि पर एक ई एल, जितेन्द्र कुमार पासवान को पुन: ड्युटी देने,एस एस डब्लू को एस डब्लू बनाने,8 घंटे के अतरिक्त काम का ओभर टाईम देने,ई एल के भुगतान मे हुए घपले को ठीक कर भुगतान करने, वर्ष मे 2 सेट ड्यूटी ड्रेस, सेफ्टीबूट, मास्क,दस्ताना इत्यादि मांगे शामिल है। प्रतिनिधिमंडल मे संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, सी के एस मुन्डा, मानिक चन्द्र साह, राजेन्द्र प्रसाद, देवेन्द्र गोराई, भी के साह, आई अहमद, रमा रवानी, बादल कोयरी, अमोद कुमार, कार्तिक सिंह, दयाल मांझी, बिनोद कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

पूर्व जीप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने महज 3 घंटे में नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराई, लोगो में खुशी

मरकच्चो : मरकच्चो नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत के कुशमई गांव स्थित स्वस्थ्य उपकेंद्र नवलशाही के पीछे लगे ट्रांसफार्मर पिछले तीन दिनों से खराब पड़ी थी, जिससे नवलशाही चौक के कुछ भाग व कुशमई गांव के कुछ भाग एवं बिंडोमोह के पासवान टोला में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित थी। इस भीषण गर्मी में पुरे क्षेत्र की आबादी अंधेरे में रहने को विवश थी। इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने गुरुवार की सुबह पूर्व जिप अध्यक्ष सह-झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता को दी। जिसके बाद उनके सार्थक प्रयास से महज 3 घंटे के अंदर ही 100 केवी का ट्रांसफॉर्मर बिजली विभाग के द्वारा बदल कर लगा दिया गया। नए ट्रांसफॉर्मर लगने से क्षेत्र वासियों ने खुशी जाहिर की है। वहीं ट्रांसफॉर्मर लगने के बाद मुन्ना कुमार सिंह, उपेंद्र पासवान, अशोक कुमार सिंह, उत्तम मोदी, महेंद्र पासवान,रोहित साव, भोला साव, नसीम खान, ब्यास पासवान, भोला खटीक, सुरेश दास, लक्ष्मण साव, राजू पासवान, कृष्णा साव, खिरू साव, अर्जुन साव, दीपक कुमार, सुधीर मोदी, निर्मल सिंह, ब्रह्मदेव दास,रघु पासवान, महेश पासवान, सुधीर पासवान, किसुन राणा, विजय साव, मुन्ना साव, महेश साव, सोनू साव, सूरज खटीक समेत कई लोगों ने झामुमो नेत्री के प्रति आभार जताया है।

बोकारो में शराब दुकान में सेंधमारी का खुलासा, 6 घंटे में 4 आरोपी गिरफ्तार

बोकारो : बोकारो के सेक्टर-12 मोड़ स्थित कम्पोजिट शराब दुकान में सेंधमारी कर विदेशी शराब चोरी के मामले का पुलिस ने महज 6 घंटे में खुलासा कर दिया। घटना की सूचना 4 जून की सुबह करीब 6 बजे मिली, जिसके बाद बीएस सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि दुकान के पीछे से दीवार तोड़कर अज्ञात चोरों ने भारी मात्रा में विदेशी शराब चोरी कर ली थी। मामले में संदीप कुमार के आवेदन पर बीएस सिटी थाना में कांड संख्या 114/2026 दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देश पर डीएसपी नगर राजीव रंजन के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की 750 बोतल विदेशी शराब, 137 बोतल/केन बीयर तथा ताला काटने वाला कटर बरामद किया। बरामद सामान की कीमत करीब 3 .5 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस मामले में हिमांशु पटेल उर्फ सूटर, राजकुमार उर्फ लोला, नितीश कुमार उर्फ गोलू और नंदू कुमार को गिरफ्तार किया है। सभी से पूछताछ जारी है।

स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें लोग : उपायुक्त

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त मनीष कुमार ने जिलेवासियों से 'स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान' में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील गुरुवार को की है। उन्होंने कहा कि यह विशेष अभियान 1 से 5 तारीख तक पूरे राज्य के साथ-साथ पश्चिमी सिंहभूम जिले में भी व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न पंचायतों और गांवों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा वृक्षारोपण,स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम,प्रभात फेरी,जल स्रोतों की साफ-सफाई तथा घरों में कचरा प्रबंधन के लिए बोरा वितरण जैसे कई गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना,स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा जलवायु सुरक्षा के प्रति जनचेतना विकसित करना है। मनीष कुमार ने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता जनसहभागिता पर निर्भर करती है। उन्होंने जिलेवासियों से इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए आगे आने और अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त डायरी

पटना के फुलवारी शरीफ में लू से संदिग्ध मौत, सड़क किनारे मिला 25 वर्षीय युवक का शव

पटना (एजेंसी) के फुलवारी शरीफ में भीषण गर्मी के बीच एक 25 वर्षीय युवक का शव सड़क किनारे मिला. प्रथम दृष्टया पुलिस ने लू लगने से मौत की आशंका जताई है, हालांकि जांच जारी है. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के आलमीजान नगर के पास भीषण गर्मी के बीच एक अज्ञात युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. युवक का शव सड़क किनारे मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. सड़क किनारे बेसुध मिला युवक स्थानीय लोगों के अनुसार दोपहर में एक युवक को सड़क किनारे बेसुध हालत में देखा गया था. देर शाम तक वह वहीं पड़ा रहा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस, शव को भेजा पोस्टमार्टम सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक के पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है. लू लगने से मौत की आशंका पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मौत का कारण भीषण गर्मी और लू लगना माना जा रहा है. हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा. पहचान में जुटी पुलिस, इलाके में हड़कंप मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है. पुलिस उसकी पहचान करने में जुटी है. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और हड़कंप का माहौल बना हुआ है.

पटना में साइबर ठगी का बड़ा खेल, बिना एटीएम और नेट बैंकिंग के खाते से उड़ गए लाखों

पटना (एजेंसी) पटना में साइबर ठगों ने बैंकिंग सुरक्षा को धता बताते हुए बिना एटीएम कार्ड और नेट बैंकिंग के ही खाते से 2.62 लाख रुपये उड़ा लिए. कुम्हरार की रहने वाली पीड़िता को बैंक में जानकारी मिलने के बाद इस ठगी का पता चला और उसने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और लोगों से अनजान लिंक व कॉल से सतर्क रहने की अपील की है. राजधानी पटना में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि बिना एटीएम कार्ड और बिना नेट बैंकिंग के भी लोगों के बैंक खातों से लाखों रुपये की निकासी हो रही है. साइबर थाना में एक साथ चार नए मामले सामने आए हैं, जिससे बैंकिंग सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. बिना एटीएम और नेट बैंकिंग के खाते से उड़े लाखों कुम्हरार की रहने वाली नुपुर के खाते से 2.62 लाख रुपये की निकासी हो गई. पीड़िता के पास न तो एटीएम कार्ड था और न ही वह नेट बैंकिंग का इस्तेमाल करती है. इसके बावजूद साइबर अपराधियों ने उसके खाते से नेट बैंकिंग के माध्यम से पैसे निकाल लिए. बैंक पहुंचने पर हुआ खुलासा, पीड़िता ने दर्ज कराई शिकायत नुपुर जब बैंक पहुंची और खाते से पैसे निकालने की कोशिश की, तो उसे पता चला कि पहले ही 2.62 लाख रुपये की निकासी हो चुकी है. बैंक कर्मचारियों से जानकारी मिलने के बाद उसने तुरंत साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई. बैंक पहुंचने पर हुआ खुलासा, पीड़िता ने दर्ज कराई शिकायत बिहटा निवासी रीना शर्मा के खाते से भी 3.11 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई. खास बात यह है कि उन्हें किसी तरह का ओटीपी तक नहीं मिला और न ही उन्होंने किसी से अपनी बैंकिंग जानकारी साझा की थी

पटना में BIS की बड़ी छापेमारी, बिना ISकमार्क के बन रहे 376 टफेन्ड सेफ्टी ग्लास जब्त

पटना (एजेंसी) पटना के महुली स्थित एक फैक्ट्री में इक्र की टीम ने बड़ी छापेमारी कर बिना क्रक मार्क के तैयार किए जा रहे 376 टफेन्ड सेफ्टी ग्लास जब्त किए. गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में फैक्ट्री परिसर की तलाशी लेकर अवैध उत्पादन का खुलासा किया गया. इक्र ने मामले में जांच शुरू कर दी है और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है. भारतीय मानक ब्यूरो (इक्र) की टीम ने पटना के औद्योगिक क्षेत्र महुली में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फैक्ट्री पर छापेमारी की. यहां बिना वैध क्रकप्रमाणन के टफेन्ड सेफ्टी ग्लास का निर्माण और बिक्री किए जाने का खुलासा हुआ है. छापेमारी में 376 तैयार ग्लास जब्त किए गए हैं. गुप्त सूचना पर हुई फैक्ट्री में बड़ी कार्रवाई इक्र पटना शाखा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई. टीम ने पटना पुलिस के सहयोग से महुली स्थित आर.एस. टफ ग्लास प्रा. लि. परिसर में तलाशी अभियान चलाया और अवैध उत्पादन का खुलासा किया. बिना क्रकलाइसेंस के चल रहा था उत्पादन जांच में पाया गया कि फैक्ट्री में टफेन्ड सेफ्टी ग्लास का निर्माण बिना आवश्यक इक्र लाइसेंस के किया जा रहा था. यह उत्पाद सेफ्टी ग्लास गुणवत्ता नियंत्रण आदेश 2020 के तहत आता है, जिसके लिए क मानक और मार्क अनिवार्य है. 376 तैयार ग्लास मौके से जब्त छापेमारी के दौरान विभिन्न आकारों के 376 टफेन्ड सेफ्टी ग्लास पाए गए, जिन्हें बाजार में सप्लाई के लिए तैयार किया गया था. सभी उत्पादों को मौके पर ही सील कर जब्त कर लिया गया. दस्तावेज और सबूत जुटाने में जुटी टीम अधिकारियों ने फैक्ट्री से संबंधित दस्तावेजों और तकनीकी साक्ष्यों को भी जब्त किया है. मामले की गहन जांच जारी है

पटना के बांस घाट पर शुरू हुई अत्याधुनिक अंत्येष्टि सेवा

पटना (एजेंसी)पटना के बांस घाट पर स्मार्ट सिटी योजना के तहत अत्याधुनिक अंत्येष्टि सेवा की शुरूआत कर दी गई है, जहां अब फोन और ईमेल के जरिए एडवांस बुकिंग की सुविधा मिलेगी. इस नए शवदाह गृह में एक साथ 18 अंत्येष्टि की व्यवस्था के साथ विद्युत और पारंपरिक दोनों प्रकार के विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं. राजधानी पटना के बांस घाट पर स्मार्ट सिटी योजना के तहत तैयार अत्याधुनिक शवदाह गृह में गुरुवार से आम लोगों के लिए अंत्येष्टि सेवाएं शुरू कर दी गई हैं. इस नई सुविधा में एक साथ कई शवों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था के साथ आधुनिक तकनीक और पारंपरिक दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं. एक साथ 18 अंत्येष्टि की सुविधा, आधुनिक और पारंपरिक विकल्प नए परिसर में कुल 18 अंत्येष्टि की व्यवस्था की गई है, जिसमें 4 विद्युत शवदाह गृह, 6 लकड़ी आधारित आधुनिक शवदाह और 8 पारंपरिक अंत्येष्टि स्थल शामिल हैं. इसके अलावा प्रार्थना स्थल, प्रतीक्षालय, पेयजल, पार्किंग और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं. 3500 रुपए में विद्युत शवदाह सेवा, तय किया गया शुल्क विद्युत शवदाह सेवा के लिए 3500 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है. नागरिक 8300052111 नंबर पर संपर्क कर अंतिम संस्कार के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं. यह सुविधा पूरी तरह डिजिटल और सुव्यवस्थित प्रक्रिया के तहत संचालित की जा रही है. लकड़ी आधारित अंतिम संस्कार के लिए तय रेट पारंपरिक अंत्येष्टि में उपयोग होने वाली लकड़ी के लिए भी दरें निर्धारित की गई हैं. आम की लकड़ी □10 प्रति किलोग्राम और सखुआ की लकड़ी 20 प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध कराई जाएगी. परिजनों को यह भुगतान सीधे लकड़ी विक्रेता को करना होगा. फोन और ईमेल से एडवांस बुकिंग की सुविधा यहां पहली बार एडवांस बुकिंग सिस्टम शुरू किया गया है. परिजन फोन या आधिकारिक ईमेल के जरिए पहले से स्लॉट बुक कर सकते हैं, जिससे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया अधिक सुगम और व्यवस्थित हो सके. ईशा आउटरीच को संचालन की जिम्मेदारी इस अत्याधुनिक शवदाह गृह के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ईशा आउटरीच को सौंपी गई है.

मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड के बाद बिहार सरकार सख्त, अस्पतालों-होटलों को एक हफ्ते का अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड के बाद बिहार सरकार सख्त हो गई है. सभी निजी अस्पतालों और होटलों को एक सप्ताह के भीतर सुरक्षा संबंधी प्रमाणपत्र और जरूरी जानकारी जमा करने का निर्देश दिया गया है. नियमों में गड़बड़ी मिलने पर सीलिंग और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है. मुजफ्फरपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद बिहार सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है. राज्य सरकार ने सभी प्राइवेट अस्पतालों और होटलों को एक सप्ताह के भीतर जरूरी दस्तावेज और सुरक्षा संबंधी प्रमाणपत्र जमा करने का निर्देश दिया है. अग्निशमन विभाग ने साफ कर दिया है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में गुरुवार सुबह आईसीयू वार्ड में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए. इस घटना के बाद पूरे राज्य में अस्पतालों और होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं. शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा आग का कारण प्रारंभिक जांच में अस्पताल में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. इसी को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने सभी निजी अस्पतालों को एक सप्ताह के भीतर इलेक्ट्रिक लोड एनालिसिस सर्टिफिकेट जमा करने का निर्देश दिया है. प्रभात खबर से बातचीत में अग्निशमन उक्क्ष्मनोज कुमार नट ने बताया कि प्रमाणपत्र मिलने के बाद अस्पतालों की जांच की जाएगी. यदि किसी संस्थान में निर्धारित मानकों से अधिक या गलत विद्युत लोड पाया गया तो बिना किसी अतिरिक्त नोटिस के सीलिंग की कार्रवाई की जा सकती है. 7500 से अधिक अस्पतालों का हो चुका है फायर ऑडिट अग्निशमन सेवाओं की महानिदेशक शोभा ओहटकर ने बताया कि इस वर्ष राज्यभर में 7500 से अधिक अस्पतालों का फायर ऑडिट किया जा चुका है. ऑडिट के दौरान जिन कमियों की पहचान हुई थी, उन्हें दूर करने के निर्देश संबंधित संस्थानों को पहले ही दिए जा चुके हैं. अब विभाग यह जांच करेगा कि उन निदेशों का पालन हुआ है या नहीं. होटलों से भी मांगी गई सिलेंडर स्टोरेज की जानकारी सरकार ने अस्पतालों के साथ-साथ होटलों पर भी निगरानी बढ़ा दी है. सभी होटल संचालकों को अपने परिसर में रखे गए गैस सिलेंडरों की संख्या और विवरण स्वयं प्रमाणित कर एक सप्ताह के भीतर विभाग को उपलब्ध कराने को कहा गया है. अग्निशमन विभाग ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि के बाद होटलों की जांच की जाएगी. यदि घोषित संख्या से अधिक सिलेंडर पाए गए तो संबंधित होटल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी. स्वास्थ्य मंत्री ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट मुजफ्फरपुर अग्निकांड को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है. स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि हादसे के लिए जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन की किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. साथ ही राज्य के अन्य अस्पतालों का भी फायर ऑडिट कर सुरक्षा मानकों की समीक्षा कराई जाएगी.

खान सर की कोचिंग सेंटर के बाहर फायरिंग करते दिखे बॉडीगार्ड, बवाल का नया वीडियो आया सामने

पटना (एजेंसी) पटना में मुसल्लहपुर हाट स्थित खान सर की कोचिंग सेंटर के बाहर बॉडीगार्ड फायरिंग करते दिखे. मामले से जुड़ा एक नया वीडियो आ गया है. इसमें एक शख्स फायरिंग करता हुआ दिख रहा है. कोचिंग पर बवाल के बाद खान सर ने फायरिंग की बात कही थी लेकिन फिर उन्होंने उस बयान से यू-टर्न ले लिया था. पटना में खान सर की कोचिंग सेंटर पर बवाल से जुड़ा नया वीडियो आ गया है. 2 जून की रात लगभग 10 बजे कोचिंग सेंटर पर जमकर बवाल हुआ था. इस मामले से जुड़े नए वीडियो में देखा जा रहा है कि एक बॉडीगार्ड फायरिंग कर रहा है. 38 सेकंड के वीडियो में यह देखा गया कि कोचिंग सेंटर के बाहर कुछ लोग मौजूद हैं. इस बीच एक शख्स बंदूक को लोड करता है और फायरिंग कर देता है. जानकारी के मुताबिक, फायरिंग कर रहा शख्स खान सर का बॉडीगार्ड ही बताया जा रहा है. लेकिन अब तक इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है. खान सर फायरिंग की कही थी बात फिर मुकरे मंगलवार की रात खान सर की कोचिंग में घुसकर मारपीट हुई. हमलावरों ने जमकर तोड़फोड़ भी की. इस हमले के बाद खान सर ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने कहा था, कुछ लोग कोचिंग में घुस आए और गार्ड के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसका सिर फट गया. उन्होंने गोलीबारी का दावा भी किया था. लेकिन, बाद में खान सर अपने बयान से पलट गए. फायरिंग को लेकर खान सर ने कहा, उस समय माहौल तनावपूर्ण था, कोई भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी. उन्होंने कहा था कि गार्ड ने जैसा बताया वही मैंने भी बोल दिया. खान सर ने आगे बताया कि गार्ड बुरी तरह से घायल है. उसका सर फोड़ दिया गया है. इस घटना को लेकर पुलिस की माने तो, मारपीट और तोड़फोड़ हुई, लेकिन गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई. मामले में तीन को किया गया गिरफ्तार खान सर की कोचिंग पर बवाल और हमला मामले में ज्ञान बिंदु कोचिंग के संचालक रौशन आनंद के साथ उनके दो सहयोगियों अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार किया गया है. रौशन आनंद पर ही साजिश के तहत हमले का आरोप लगाया गया था. रौशन आनंद ने भी फायरिंग की बात को गलत बताया था. जब पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर ले जा रही थी, तब उन्होंने कहा था, घटना वाली रात कोई गोलीबारी नहीं हुई थी. गोलीबारी और उनके ऊपर लगाए गए आरोप गलत है. मामले की जांच कर रही पुलिस जानकारी के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है. साथ ही मौके पर लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है और अन्य सबूतों को इकट्ठा किया जा रहा है. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी. इस बीच नया वीडियो सामने आया, जिसे लेकर आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन जांच में क्या खुलासा होता है,

पटना में बनेगा स्टेट कैंसर मिशन, गांव-गांव स्क्रीनिंग से समय से पहले पकड़ में आएगी बीमारी

पटना (एजेंसी) पटना समेत पूरे बिहार में स्टेट कैंसर मिशन की शुरूआत की जाएगी, जिसके तहत गांव-गांव में कैंसर की नियमित स्क्रीनिंग होगी. इस योजना का उद्देश्य बीमारी को शुरूआती चरण में ही पहचानकर समय पर इलाज उपलब्ध कराना और मौतों की दर को कम करना है. जिला और ब्लॉक स्तर के अस्पतालों में संसाधन बढ़ाकर कैंसर जांच और इलाज की सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा. बिहार में कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब बड़ा स्वास्थ्य सुधार कदम उठाया जा रहा है. नेशनल हेल्थ मिशन की तर्ज पर पटना समेत पूरे राज्य में स्टेट कैंसर मिशन बनाने की कवायद शुरू हो गई है. इस मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित स्क्रीनिंग, जांच और इलाज की सुविधाएं मजबूत की जाएंगी ताकि बीमारी की शुरूआती पहचान संभव हो सके. ग्रामीण इलाकों तक पहुंचेगा कैंसर स्क्रीनिंग नेटवर्क नई योजना के तहत कैंसर की स्क्रीनिंग और जांच को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि बीमारी को शुरूआती चरण में ही पकड़कर मरीजों को बेहतर इलाज दिया जा सके और मृत्यु दर को कम किया जा सके. जिला और ब्लॉक अस्पतालों में बढ़ेंगी सुविधाएं मिशन के तहत जिला और ब्लॉक स्तर के अस्पतालों में संसाधनों को मजबूत किया जाएगा. यहां कैंसर की जांच और इलाज से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी ताकि मरीजों को बड़े अस्पतालों पर निर्भर न रहना पड़े. 20 सदस्यीय कमेटी ने शुरू किया काम, तैयार हो रहा प्लान सूत्रों के अनुसार इस पूरी योजना के लिए करीब 20 सदस्यीय कमेटी गठित की गई है. हाल ही में एक बैठक भी आयोजित की गई है और अगले सप्ताह होने वाली बैठक में कमेटी के सदस्य विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेंगे. कैंसर मरीज गंभीर हालत में पहुंच रहे अस्पताल सिविल सर्जन डॉ. योगेंद्र मंडल के अनुसार बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल तब पहुंच रहे हैं

पटना के 66% होटल आग के खतरे में, 161 होटलों में नहीं मिले सुरक्षा इंतजाम, सीलिंग की तैयारी

पटना (एजेंसी) दिल्ली होटल अग्निकांड के बाद पटना के होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. फायर ऑडिट में 241 पंजीकृत होटलों में से 161 में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले हैं. फायर विभाग ने ऐसे होटलों को नोटिस जारी कर दिया है और नियमों का पालन नहीं करने पर सीलिंग की चेतावनी दी है. दिल्ली के एक होटल में भीषण आग लगने से 20 से अधिक लोगों की मौत के बाद पटना के होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. फायर विभाग के आंकड़े बताते हैं कि राजधानी के 241 पंजीकृत होटलों में से 161 में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं. ऐसे होटलों पर अब प्रशासन सख्त कार्रवाई की तैयारी में है. फायर ऑडिट में सामने आई चौंकाने वाली तस्वीर फायर विभाग ने पटना के 241 बड़े और संवेदनशील होटलों का ऑडिट कराया. जांच में पाया गया कि 161 होटलों में अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन नहीं किया गया है. इन सभी होटलों को नोटिस जारी किया गया है. हालांकि कुछ होटल संचालकों ने बाद में आवश्यक व्यवस्था कर ली है, लेकिन बड़ी संख्या में होटल अब भी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं. संकरी गलियों वाले होटलों में सबसे ज्यादा खतरा कई होटल ऐसे इलाकों में संचालित हो रहे हैं जहां सड़कें बेहद संकरी हैं. ऐसी स्थिति में आग लगने पर दमकल वाहनों का पहुंचना मुश्किल हो सकता है. विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जगहों पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है. लोदीपुर फायर स्टेशन क्षेत्र में सबसे खराब हालात लोदीपुर फायर स्टेशन क्षेत्र में सबसे अधिक होटल हैं. पीरबहोर, गांधी मैदान, फ्रेजर रोड, स्टेशन गोलंबर, आशियाना, राजाबाजार, कदमकुआं और पाटलिपुत्र जैसे इलाकों के 155 होटलों में से केवल 27 ने ही फायर ऑडिट सर्टिफिकेट प्राप्त किया है. बाकी 128 होटलों में सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई है. यह आंकड़ा करीब 82.58 प्रतिशत होटलों का है. पटना सिटी और कंकड़बाग के होटल सुरक्षा में आगे पटनासिटी फायर स्टेशन क्षेत्र के 13 में से 12 होटलों ने सभी सुरक्षा मानकों को पूरा कर लिया है. वहीं कंकड़बाग क्षेत्र के 13 में से 11 होटल फायर ऑडिट सर्टिफिकेट हासिल कर चुके हैं.

पटना के फुलवारी शरीफ में दो गुटों की हिंसक भिड़ंत, सड़क पर चले तलवार-चाकू

पटना (एजेंसी) पटना के फुलवारी शरीफ स्थित टमटम पड़ाव के पास देर रात दो गुटों के बीच जमकर हिंसक झड़प हुई. मारपीट के दौरान सड़क पर तलवार, चाकू और बेल्ट से हमला किया गया, जिससे कई लोग घायल हो गए. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस जांच में जुटी है. टना के फुलवारी शरीफ के टमटम पड़ाव स्थित बजरंगबली मंदिर के पास देर रात दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई. इस दौरान सड़क पर जमकर मारपीट हुई और बेल्ट, तलवार तथा चाकू से एक-दूसरे पर हमला किया गया. पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है. सड़क पर देर रात चली बेल्ट और तलवार प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर बेल्ट और धारदार हथियारों से हमला कर दिया. मारपीट के दौरान कई लोग घायल हो गए और सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पिस्टल निकालने का भी दावा, इलाके में दहशत स्थानीय लोगों का कहना है कि झगड़े के दौरान कुछ लोगों ने पिस्टल भी निकाल ली. हालांकि फायरिंग की कोशिश की चर्चा है, लेकिन गोली नहीं चली. अचानक हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. थाना से 50 मीटर दूर चलता रहा बवाल घटना स्थल फुलवारी शरीफ थाना से मात्र करीब 50 मीटर की दूरी पर है. इसके बावजूद काफी देर तक मारपीट चलती रही और मौके पर पुलिस की मौजूदगी नहीं दिखी. बाद में सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. टेंपो चालक या नशे का कारोबार? विवाद पर दो दावेपुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला टेंपो चालकों के दो गुटों के बीच विवाद का बताया जा रहा है. जबकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह झगड़ा नशे के अवैध कारोबार से जुड़े गुटों के बीच हुआ है. इलाके में नशे के कारोबार के गंभीर आरोपस्थानीय लोगों ने टमटम पड़ाव के जोगिया टोली इलाके में लंबे समय से अवैध शराब, गांजा, स्मैक और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार का आरोप लगाया है. लोगों का कहना है कि इसी कारण यहां अक्सर विवाद और हिंसक घटनाएं होती रहती हैं.

पटना-नालंदा के होटलों पर पुलिस का बड़ा एक्शन, 15 दिन में मांगी पूरी कुंडली, नहीं तो होगी कार्रवाई

पटना (एजेंसी) दिल्ली गेस्ट हाउस अग्निकांड के बाद बिहार पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है. पटना और नालंदा के सभी होटल व गेस्ट हाउसों की सूची 15 जून तक तैयार कर डीएसपी को सौंपने का निर्देश दिया गया है. इसके बाद दस्तावेजों की जांच, सुरक्षा मानकों का सत्यापन और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार की जाएगी. दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में भीषण आग लगने से 20 से अधिक लोगों की मौत के बाद बिहार पुलिस सतर्क हो गई है. इसी कड़ी में पटना और नालंदा के सभी होटल एवं गेस्ट हाउसों की व्यापक जांच का आदेश जारी किया गया है. आइजी सेंट्रल रेंज जितेंद्र राणा ने सभी थानाध्यक्षों को तीन चरणों में कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया है. 15 जून तक होटलों की सूची तैयार आइजी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार पहले चरण में सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में संचालित होटल और गेस्ट हाउसों की सूची तैयार करनी होगी. यह सूची 15 जून तक संबंधित डीएसपी को सौंपना अनिवार्य किया गया है. 30 जून तक होगी दस्तावेजों की गहन जांच दूसरे चरण में 15 जून से 30 जून के बीच सभी होटलों और गेस्ट हाउसों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा. इस दौरान पर्यटन विभाग, अग्निशमन विभाग, नगर निगम या नगर परिषद तथा प्रदूषण नियंत्रण पर्षद से प्राप्त लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी. सुरक्षा मानकों की होगी पड़ताल तीसरे चरण में एक जुलाई से 15 जुलाई के बीच थानाध्यक्षों को यह जांच करनी होगी कि होटल और गेस्ट हाउस संचालक लाइसेंस में निर्धारित शर्तों और सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं. जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को सौंपनी होगी. बिना दस्तावेज वाले होटल संचालकों पर भी होगी कार्रवाई आइजी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिन होटलों या गेस्ट हाउसों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं हैं या दस्तावेज अधूरे पाए जाते हैं, उनके खिलाफ की गई कार्रवाई का भी उल्लेख रिपोर्ट में किया जाए. इससे अवैध रूप से संचालित प्रतिष्ठानों पर शिकंजा कसने की तैयारी है. रानी घटनाओं ने बढ़ाई चिंता, सुरक्षा ऑडिट पर जोर आइजी जितेंद्र राणा ने कहा कि पटना में होटल और गेस्ट हाउसों का सुरक्षा ऑडिट बेहद जरूरी है. उन्होंने स्टेशन गोलंबर स्थित पाल होटल में आग लगने की घटना का जिक्र किया, जिसमें आठ लोगों की मौत हुई थी. इसके अलावा रूपसपुर के एक होटल में छात्रा से छेड़खानी की घटना भी सामने आई थी. ऐसे मामलों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के अनुपालन की गहन समीक्षा आवश्यक है. बिहार पुलिस का सख्त संदेश, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं दिल्ली हादसे के बाद बिहार पुलिस अब होटल और गेस्ट हाउसों की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती. आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर जांच, दस्तावेज सत्यापन और सुरक्षा मानकों की समीक्षा के जरिए व्यवस्था को दुरुस्त करने की तैयारी की जा रही है.

बिहार के डिप्टी सीएम बोले- मुजफ्फरपुर अस्पताल अग्निकांड की होगी जांच, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की भी आई प्रतिक्रिया

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में लगी भीषण आग में चार लोगों की मौत के बाद बिहार सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं. स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने घटना पर दुख जताते हुए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की बात कही है. मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में लगी भीषण आग में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है. इस घटना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने गहरा दुख व्यक्त किया है. दोनों नेताओं ने हादसे की जांच का आदेश दिया है. स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने दिए जांच के आदेश स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में आग लगने से कई लोगों की मौत की खबर अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है. उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की. निशांत कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन को घायल मरीजों की सुरक्षा और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाने को कहा गया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी. ह्यआग लगने के कारणों की होगी गंभीर जांचह्ल उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी घटना पर दुख जताते हुए कहा कि किसी अस्पताल में इस तरह की दुर्घटना होना बेहद गंभीर और चिंताजनक है. उन्होंने कहा कि सरकार यह पता लगाएगी कि आग किन परिस्थितियों में लगी और अस्पताल में सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं. उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो उसके अनुसार कदम उठाए जाएंगे. देर रात मची अफरा-तफरी, मरीजों को सुरक्षित निकालने की कोशिश जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर के इस निजी अस्पताल में देर रात अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग अस्पताल के एक बड़े हिस्से में फैल गई. उस समय अस्पताल में मरीज, उनके परिजन और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे. आग लगने के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई. कई लोगों ने जान बचाकर बाहर निकलने की कोशिश की, जबकि अस्पताल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से कई मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया. चार लोगों की मौत, इलाके में शोक का माहौल इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. प्रशासनिक अधिकारी भी

घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करते रहे. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया मुआवजे का ऐलान इस बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए प्रत्येक मृतक के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को राहत कार्य में तेजी लाने और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज़्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुसल मेंडिस की कप्तानी में श्रीलंका की शानदार शुरूआत, पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 41 रन से हराया

एजेंसी

किंगस्टन : श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार देर रात दमदार प्रदर्शन करते हुए 41 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी में वापसी कर रहे कुसल मेंडिस ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि गेंदबाजों ने लक्ष्य का सफल बचाव करते हुए टीम को जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत थोड़ी सतर्क रही, हालांकि पथुम निसांका को शुरूआती जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर कुसल मेंडिस ने शुरूआत में समय लिया, लेकिन फिर तेजी से रन बनाते हुए पारी को गति दी। कुसल ने विशेष रूप से स्पिनर गुडाकेश मोती पर हमला बोला और लगातार बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 62 गेंदों पर 72 रन की तेज पारी खेली। कुसल और निसांका के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने श्रीलंका को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

निसांका ने 79 रन बनाए जबकि मध्यक्रम में चरिथ असलंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन जोड़कर टीम को 50 ओवर में 303/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तेज शुरूआत की। जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स ने शुरूआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन रन आउट ने टीम की लय तोड़ दी। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाया। महीश तीक्षणा ने ग्रीव्स को आउट कर वापसी कराई, जबकि वानिंदु हसरंगा ने अहम विकेट लेकर मध्यक्रम को झटका दिया। कप्तान शाई होप ने संघर्ष करते हुए 56 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का पर्याप्त साथ नहीं मिला। अंत में दुष्मंथा चमीरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर सिमट गई।

संक्षिप्त स्कोर : श्रीलंका झ 303/7 (50 ओवर) पथुम निसांका 79, कुसल मेंडिस 72; मैथ्यू फोर्ड 2/44, वेस्टइंडीज झ 262 (49.2 ओवर), शाई होप 56; दुष्मंथा चमीरा 4/67, महीश तीक्षणा 2/26, परिणामः श्रीलंका 41 रन से विजयी।

अंडर-18 एशिया कप : भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए तैयार

एजेंसी

काकामिगाहारा : भारतीय अंडर-18 महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों टीमों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनाई है। भारतीय अंडर-18 महिला टीम ने पूल-ए में अपने सभी तीन मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम ने पूल चरण में कुल 30 गोल किए और केवल 2 गोल खाए। भारत ने अभियान की शुरूआत मलेशिया पर 2-1 की कड़ी जीत से की। इसके बाद कोरिया को 3-1 से हराया और अंतिम मुकाबले में सिंगापुर को 25-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में धमाकेदार अंदाज में प्रवेश किया। भारतीय टीम के लिए अब तक नौशीन नाज सबसे सफल गोल स्कोरर रही हैं, जिन्होंने

10 गोल किए हैं। गीथाश्री नम्मी ने 5 गोल, कप्तान स्वीटी कुजूर ने 4 गोल और प्रियंका मिन्ज ने 3 गोल किए हैं। अब भारत का सामना चीन से होगा, जिसने पूल-बी में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। यह मुकाबला 5 जून को सुबह 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) खेला जाएगा। महिला टीम की मुख्य कोच रानी ने कहा, अब तक का सफर शानदार रहा है। यह इन खिलाड़ियों का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हमारा पूरा ध्यान अब चीन के खिलाफ सेमीफाइनल पर है। हम अपनी हॉकी खेलना चाहते हैं, आक्रामक रहना चाहते हैं और मिले मौकों को गोल में बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि टीम फिट है और हर गेंद के लिए संघर्ष करने को तैयार है। पुरुष टीम की नजर पाकिस्तान को हराकर फाइनल में पहुंचने पर भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने पूल-ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। टीम ने अब तक 32 गोल किए और केवल 6 गोल खाए। भारत ने अपने पहले मुकाबले में कजाखस्तान को 13-0 से हराया, लेकिन दूसरे मैच में मेजबान जापान से 2-4 से हार गया। इसके बाद टीम ने शानदार वापसी करते हुए कोरिया को 4-1 और चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय कप्तान केतन कुशवाहा अब तक 7 गोल कर चुके हैं, जबकि आशीष तानी पुर्ती ने 6 गोल किए हैं। गाजी खान और शाहरुख अली ने 3-3 गोल का योगदान दिया है। भारत अब 5 जून को दोपहर 3:30 बजे (भारतीय समयानुसार) सेमीफाइनल-2 में पाकिस्तान से भिड़ेगा।

इंडोनेशिया ओपन में विश्व ओलंपिक चैंपियन से हारीं पीवी सिंधु, आयुष शेट्टी भी बाहर

एजेंसी

जकार्ता : भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2026 अभियान प्री-क्वार्टरफाइनल में गुरुवार को समाप्त हो गया। सिंधु को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व नंबर-1 और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सिंधु ने कुछ समय तक अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन अंततः उन्हें 17-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इससे एन से यंग के खिलाफ सिंधु की हार का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया और भारतीय स्टार अब भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत की तलाश में हैं। मुकाबले की शुरूआत बेहद कड़ी रही और पहले गेम के दौरान दोनों खिलाड़ी 10-10 की बराबरी पर थीं। सिंधु ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एक समय 15-14 की बढ़त भी बनाई, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार अंक जुटाकर वापसी की। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने 41 शॉट की लंबी रैली जीतकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी एन से यंग ने शुरूआत से दबदबा बनाए रखा और 13-6 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधु ने वापसी की कोशिश की, लेकिन एन की शानदार कोर्ट कवरेज और निरंतरता के आगे टिक नहीं सकीं। पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। आयुष ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरूआत की थी, लेकिन इसके बाद हांगकांग के ली चियुक यिउ ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 16-21, 21-13, 21-14 से जीत लिया।

फ्रेंच ओपन : चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

पेरिस : फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरूआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली। इसके बाद विश्राम के दौरान अपने सहयोगी दल की सलाह पर उन्होंने मुकाबले से नाम वापस ले लिया। विश्व रैंकिंग में 104वें स्थान पर मौजूद अर्नाल्डी ने इस टूर्नामेंट में

शानदार संघर्ष दिखाया है। क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने कोर्ट पर कुल 17 घंटे 42 मिनट बिताए। अब सेमीफाइनल में उनका सामना एक और इतालवी खिलाड़ी फ्लावियो कोबोली से होगा। इससे यह तय हो गया है कि रविवार को होने वाले पुरुष एकल फाइनल में एक इतालवी खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा। विश्व नंबर एक और पिछले वर्ष के उपविजेता यानिक सिनर के शुरूआती दौर में बाहर होने के बाद इटली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मैच के बाद अर्नाल्डी ने कहा, यह मुश्किल स्थिति है। हम दोनों ने काफी लंबे मुकाबले खेले थे, इसलिए सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना आसान नहीं था। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी का टूर्नामेंट इस तरह खत्म हो। उन्होंने आगे कहा, इटली में टेनिस लगातार आगे बढ़ रहा है। मुझे उम्मीद है कि बेरेटिनी जल्दी फिट होकर वापसी करेंगे। घास के कोर्ट का सत्र जल्द शुरू होने वाला है और वह वहां मजबूत खिलाड़ी साबित होंगे। अर्नाल्डी ने यह भी माना कि वह थकान महसूस कर रहे हैं, लेकिन हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।

ताजिकिस्तान से मैत्री मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम घोषित, चोटिल रयान विलियम्स बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने गुरुवार को जून में ताजिकिस्तान के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में चोटिल रयान विलियम्स को जगह नहीं मिली है, जबकि मोहन बागान सुपर जायंट के किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है। भारत इस महीने ताजिकिस्तान के खिलाफ 5 जून और 9 जून को दो मुकाबले खेलेगा। भारतीय टीम हाल ही में यूनिटी कप में जमैका और जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मुकाबले खेली थी, लेकिन दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद ताजा फीफा रैंकिंग में भारत एक स्थान नीचे खिसककर 137वें स्थान पर पहुंच गया। अब ब्लू टाइगर्स ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करना चाहेंगे। भारत ने पिछले

वर्ष सीएएफए नेशंस कप में ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया था। रयान विलियम्स यूनिटी कप के पहले मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे और इसी कारण उन्हें इस टीम से बाहर रखा गया है। उनकी जगह नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के फॉरवर्ड पार्थिब गोगोई को मौका दिया गया है। मोहन बागान के खिलाड़ी शुरूआती संभावित टीम में शामिल थे, लेकिन फीफा विंडो के बाहर क्लब ने उन्हें रिलीज नहीं किया, जिसके कारण वे जून के इन मैत्री मैचों के लिए चयन से बाहर रहे। ताजिकिस्तान मैत्री मैचों के लिए

भारतीय टीम - गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, ऋतिक तिवारी, अल्बिनो गोम्स

डिफेंडरः राहुल भेके, निखिल बारला, निखिल पूजारि, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन, आकाश मिश्रा, बिजॉय वर्गीज, प्रमवीर

मिडफील्डरः जेक्सन सिंह थौनाओजम, मैकार्टन निक्सन, नौफल पीएन, रिकी शाबोंग

फॉरवर्ड : पार्थिब गोगोई, एडमंड लालरिंडिका, लालनजुआला छांगते, मोहम्मद सनान, रहीम अली, फारुख चौधरी, विक्रम प्रताप सिंह।

सैफ महिला चैम्पियनशिपः भारत ने भूटान को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब बांग्लादेश से होगी भिड़ंत

एजेंसी

गोवा : पांच बार की चैम्पियन भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सैफ महिला चैम्पियनशिप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार रात भूटान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना मौजूदा चैम्पियन बांग्लादेश से शनिवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा। ग्रुप चरण में दो मैचों में 14 गोल करने वाली भारतीय टीम से एकतरफा प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन भूटान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए मुकाबले को कड़ा बनाए रखा। लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची भूटान की टीम ने भारतीय

आक्रमण को लंबे समय तक रोके रखा। फीफा रैंकिंग में 69वें स्थान पर मौजूद भारत ने अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में गोल नहीं कर सका। करिश्मा, सौम्या गुगुलोथ और अवेका सिंह ने मौके बनाए, लेकिन खराब फिनिशिंग और भूटान की गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के कारण मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। भूटान ने भी जवाबी आक्रमण में कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। दूसरे हाफ में लगातार दबाव का फायदा भारत को 60वें मिनट में मिला, जब सनफिदा नोंगरुम ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। यही गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने मनीषा कल्याण और प्यारी जाक्षा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा, लेकिन भारत बढ़त नहीं बढ़ा सका। दूसरी ओर भूटान ने अंत तक संघर्ष जारी रखा और भारतीय रक्षा पंक्ति को चुनौती देती रही। हालांकि, अतिरिक्त समय तक मुकाबला ले जाने के लिए जरूरी गोल भूटान नहीं कर सकी और भारत ने 1-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की कर ली। भारत अब 2019 के बाद पहली बार सैफ महिला चैम्पियनशिप का खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। इससे पहले पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश ने नेपाल को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में प्रवेश किया। बांग्लादेश ने 2022 और 2024 संस्करण भी अपने नाम किए थे।

संक्षिप्त खबरें

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में एसबीयू के आयुष राज ने जीता रजत पदक

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय के बीबीए के छात्र आयुष राज ने पीटीएफ ओपन इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया है। श्रीनगर में 30 मई से 2 जून तक हुई इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के विभिन्न देशों से 600 से भी अधिक ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता का आयोजन प्रोफेशनल ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा किया गया था। अंडर 30 के पूमसे वर्ग में आयुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह कीर्तिमान अपने नाम किया। आयुष राज की इस सफलता पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा एवं खेल प्रशिक्षकों, सुभाष शाहदेव एवं राहुल रंजन ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

आईसीसी ने रॉड टकर को 100वें टेस्ट में अंपायरिंग पूरी करने पर दी बधाई

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अंपायर रॉड टकर को उनके 100वें टेस्ट मैच में ऑन-फील्ड अंपायरिंग पूरी करने पर बधाई दी है। टकर ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। रॉड टकर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 100 टेस्ट मैचों में अंपायरिंग करने वाले केवल चौथे अंपायर बन गए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में पूर्व आईसीसी टेस्ट अंपायर इयान गोल्ड ने उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में एक क्रिस्टल ट्रॉफी भेंट की। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने रॉड टकर को बधाई देते हुए कहा कि वह विश्व क्रिकेट के सबसे सम्मानित अंपायरों में शामिल हैं और अपनी निरंतरता, निष्पक्षता और दबाव में शांत रहकर मैच संचालन करने की क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं। जय शाह ने कहा,100 टेस्ट मैचों का यह पड़ाव दशार्ता है कि क्रिकेट प्रशासकों ने वर्षों तक उन पर कितना भरोसा जताया है। उनका अनुभव अमूल्य रहा है और वह दुनिया भर के अंपायरों के लिए प्रेरणा हैं। अपनी उपलब्धि पर रॉड टकर ने कहा कि क्रिकेट हमेशा से उनका जुनून रहा है और अंतरराष्ट्रीय अंपायर के रूप में इतने लंबे करियर को वह अपने लिए सौभाग्य मानते हैं। टकर ने कहा, 100वें टेस्ट में अंपायरिंग करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। मैं आईसीसी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट अंपायर्स एंड स्कोरर्स एसोसिएशन, अपने सहयोगियों और परिवार का आभारी हूं। उनके सहयोग के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। रॉड टकर अब अलीम डार (145 टेस्ट), स्टीव बकनर (128 टेस्ट) और रूडी कोएर्टजन (108 टेस्ट) के साथ टेस्ट क्रिकेट के प्रतिष्ठित 100 टेस्ट क्लब में शामिल हो गए हैं। टकर को वर्ष 2010 में एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ अंपायर्स में शामिल किया गया था और उन्होंने उसी वर्ष फरवरी में हैमिल्टन में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच अपना पहला टेस्ट मैच कराया था। अंपायर बनने से पहले रॉड टकर ऑस्ट्रेलिया के लिए घरेलू क्रिकेट में न्यू साउथ वेल्स और तस्मानिया की ओर से खेलने वाले सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर रहे। उन्होंने 1986 से 1999 के बीच 103 प्रथम श्रेणी मैचों में 5076 रन बनाए और 123 विकेट लिए।

अंडर-15 महिला क्रिकेट टीम के जोनल ट्रायल के लिए मंडल की 17 खिलाड़ी चयनित

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के तत्वावधान में सत्र 2026-27 के लिए अंडर-15 महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के जोनल ट्रायल के लिए मंडल की 17 खिलाड़ियों का गुरुवार को चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ी 8 जून को कमला क्लब कानपुर में आयोजित होने वाले ट्रायल में प्रतिभाग करेंगी। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ियों को सुबह सात बजे तक कमला क्लब कानपुर में ट्रायल स्थल पर उपस्थित होना होगा। खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड और मूल जन्म प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य है। जोनल ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश स्तर की टीम के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों में वर्णवि, वैष्णवी, कनिका चौधरी, आलिया, ईशानी, अंकिता सिंह, प्रियांशी आर्या, प्रतीक्षा यादव, आराध्या गौतम, संदेश शाकिर, पायल, दृष्टि, अंशिका, गुंजन चौधरी, तान्या श्रीवास्तव, निकिता दास और वंशिका शर्मा शामिल हैं। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि चयनित खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा साबित करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मंडल की खिलाड़ी जोनल ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश टीम में स्थान बनाने में सफल रहेंगी।

फ्रेंच ओपन में कोबोली का कमाल, पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस : इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल हासिल कर लिया। रोलां गैरो में खेले गए पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के चौथी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को चार सेटों में 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। 24 वर्षीय कोबोली ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी की और लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा ग्रैंड स्लैम परिणाम है। जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह सप्ताह उनके जीवन का सबसे यादगार सप्ताह बन गया है। मुकाबले की शुरूआत में तेज हवा के कारण दोनों खिलाड़ियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। पहला सेट हारने के बाद कोर्ट की छत बंद किए जाने के साथ ही कोबोली की लय लौट आई। उन्होंने आक्रामक फोरहैंड और बेहतरीन फुटवर्क के दम पर मैच का रुख पलट दिया। इस जीत के साथ कोबोली ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में शीर्ष-10 रैंकिंग वाले खिलाड़ी को हराने का कारनामा भी किया। लाइव एटीपी रैंकिंग में वह 14वें स्थान से उछलकर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अब इटली के ही मैटियो बेरेटिनी और मैटियो अर्नाल्डी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल विजेता से होगा। इससे यह तय हो गया है कि पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में एक इटालियन खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा। कोबोली की इस उपलब्धि ने इटली के टेनिस इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह तीसरा अवसर है जब किसी ग्रैंड स्लैम के पुरुष वर्ग में दो इटालियन खिलाड़ी सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं। साथ ही, पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में पूरी तरह इटालियन पुरुष सेमीफाइनल सुनिश्चित हुआ है।

एक नजर

असम मंत्रिमंडल में शामिल होंगे 12 मंत्री, 5 जून को होगा शपथ ग्रहण

गुवाहाटी: असम के मुख्यमंत्री ने गुरुवार को राज्य मंत्रिपरिषद के विस्तार की घोषणा करते हुए उन विधायकों के नाम जारी किए, जिन्हें 5 जून को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 12:45 बजे आयोजित होगा। मुख्यमंत्री द्वारा सोशल मीडिया पर जारी सूची के अनुसार अश्विनी राय सरकार, अशोक सिंघल, बिमल बोरा, बिस्वजीत दैमारी, जयंत मल्लबरुवा, कौशिक राय, केशव महंत, कृष्णेंदु पाल, नीलिमा देवी, पियूष हजारिका, डॉ. रणोज पेगू और सुशांत बरगोहाईं को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। यह शपथ ग्रहण समारोह असम मंत्रिपरिषद में नए मंत्रियों के औपचारिक प्रवेश का प्रतीक होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के उपस्थित रहने की संभावना है।

सलीम डोला के अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ सिंडिकेट पर ईडी की कार्रवाई, 21 ठिकानों पर छापेमारी

नयी दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2 और 3 जून को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम, 2002 के तहत मुंबई, सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट में 21 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई सलीम इस्माइल डोला और उसके सहयोगियों द्वारा संचालित अंतरराष्ट्रीय संगठित मादक पदार्थ तस्करी सिंडिकेट की जांच से जुड़े मामले में की गई है। ईडी की तलाशी में सलीम डोला के नेटवर्क को कवर किया गया जिसमें रसायन आपूर्तिकर्ता, रसायन व्यापारी, मेफेड्रोन (एमडी) नामक सिंथेटिक मादक पदार्थ के निमार्ता और वितरक, हवाला ऑपरेटर और करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्तियों के धारक शामिल हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध आपूर्ति श्रृंखला और मनी लॉन्ड्रिंग तंत्र की अहम कड़ियों को निशाना बनाकर सिंडिकेट की परिचालन क्षमता और वित्तीय ढांचे को बाधित करना था। तलाशी के दौरान लगभग 1.33 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, विदेशी मुद्रा, सोने की ईंटें और बैंक बैलेंस जब्त व फ्रीज किए गए। इसके अलावा भारत और दुबई स्थित करोड़ों रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए। एजेंसी ने बताया कि जांच विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा मुंबई में दर्ज कई प्राथमिकी पर आधारित है। अब तक की जांच से स्पष्ट हुआ है कि यह एक अत्यधिक संगठित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क है, जो रसायनों की खरीद, मेफेड्रोन का गुप्त निर्माण, हवाला चैनलों के माध्यम से अपराध की आय का संग्रह और परतदार निवेश तथा सहयोगियों और अन्य व्यक्तियों के नाम पर चल-अचल संपत्तियों के अधिग्रहण में संलिप्त है।

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन से जुड़ा पश्चिम बंगाल

नयी दिल्ली: पश्चिम बंगाल विधानसभा में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के कार्यान्वयन के लिए गुरुवार को त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। नेवा संसदीय कार्य मंत्रालय की एक मिशन मोड परियोजना है। इसका उद्देश्य एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर की विधानसभाओं के कामकाज को डिजिटाइज और आधुनिक बनाना है। एमओयू पर हस्ताक्षर के समय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल, सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस उपस्थिति रहे। वहीं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े।

सेनाओं को सालाना खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वित्तीय शक्तियां मिलीं

▸ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुनी करने को मंजूरी दी

एजेंसी

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेनाओं की परिचालन दक्षता मजबूत करने के लिए फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुनी करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज 'रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' जारी किया। इसके तहत राजस्व से जुड़ी खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की सालाना कीमत वाली वित्तीय शक्तियां दी गई हैं। इस फैसले से फील्ड कमांडरों को और ज्यादा अधिकार मिलेंगे, जिससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा विभाग में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशीकरण, अनुसंधान और विकास के लिए संशोधित वित्तीय शक्तियां दोगुनी कर दी गईं हैं। सशस्त्र सेनाओं के लिए संयुक्त खरीद को तेज करने के लिए बढ़ी हुई शक्तियों के साथ नए प्रावधान पेश किए गए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार की यह पहल फील्ड कमांडरों को और ज्यादा अधिकार देगी, जिससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और आखिरकार हमारी ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ावा मिलेगा।

'रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' जारी करते हुए उन्होंने कहा कि इस नए दस्तावेज का मकसद रक्षा क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा देना और विदेशी निर्भरता को कम करना है। उन्होंने कहा कि यह रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने में बहुत मददगार साबित होगा, जिसमें लघु उद्योग और स्टार्टअप्स समेत निजी कंपनियों की भी भागीदारी होगी। काम से जुड़े प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए दी गई वित्तीय शक्ति को दोगुना करने से काम तेजी के साथ समय पर पूरा हो सकेगा।

वित्तीय शक्तियों के दोगुना करने से मौजूदा साल के बजट आवंटन के अनुसार 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीद आसान हो जाएगी। वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का विकेंद्रीकरण करने के लिए कई नए सक्षम वित्तीय अधिकारियों को पेश किया गया है।

कोलकाता में वाटर मेट्रो की तैयारी मुख्यमंत्री शुभेंदु ने की बड़ी घोषणा

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को राज्य में जल परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कोलकाता में जल मेट्रो सेवा शुरू करने की घोषणा की। सचिवालय में केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सवार्नंद सोनोवाल के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद उन्होंने यह जानकारी दी। इस बैठक में राज्य और केंद्र के बीच जलमार्ग और बंदरगाह विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोलकाता में जल मेट्रो परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे शहर के नदी मार्गों पर यातायात को अधिक सुविधाजनक और आधुनिक बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य में जल परिवहन के नए युग की शुरूआत करेगी और शहरी यातायात पर दबाव को भी कम करने में मदद करेगी।

बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य में कुल 44 जेटियों का निर्माण किया जाएगा, जबकि राष्ट्रीय जलमार्ग के लिए 25 जेटियों का निर्माण अंतिम चरण में है। इसके अलावा बागबाजार, अहिरीटोला, शोभाबाजार, मल्लिकघाट, रामकृष्णघाट और बांधाघाट जैसे प्रमुख घाटों के सौंदर्यीकरण और मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसे दुर्गा पूजा से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने गंगासागर मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की योजना पर भी जोर दिया।

कछार में 4.5 करोड़ की मादक पदार्थ बरामद तीन महिला समेत छह ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

असम : असम के विभिन्न जिलों में नशा-विरोधी अभियान लगातार जारी है। इस कड़ी में पुलिस ने कछार जिले की विभिन्न इलाकों में चलाए गये अलग-अलग अभियानों में तीन महिला समेत छह ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं, लगभग 4.5 करोड़ मूल्य की मादक पदार्थ भी बरामद किया है।

कछार जिला पुलिस मुख्यालय ने गुरुवार को बताया कि उदारबंद पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, इंट्रा बी-10 ट्रक (एएस-11डीसी-8629) से कुल 8010 बोतलें (100 एमएल) कोडीन कफ सिरप और 150 पैकेट ट्रामाडोल टैबलेट (प्रत्येक पैकेट में 10 स्ट्रिप और एक स्ट्रिप में 24 टैबलेट, यानी कुल 36,000 टैबलेट) बरामद की गईं। एक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान ग्यासुद्दीन लस्कर के रूप में हुई है। एक अन्य अभियान में कलाइन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दिगोरखाल क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में, कलाइन की ओर आ रहे एक ट्रक (एएस-01ईसी-2533) को रोका गया। ट्रक से 14 साबुनदानी में रखी 170 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आजाद उद्दीन के रूप में की गयी है। इसी बीच जिला मुख्यालय शहर सिलचर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, फतोक बाजार के पास, नशीले पदार्थों की छोटी-मोटी तस्करी करने वाले एक व्यक्ति (तस्कर) अजीम उद्दीन लस्कर उर्फ 'काला' को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान, उसके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन से भरी कुल 35 शीशियां बरामद की गईं, जिनका वजन लगभग 1.7 ग्राम था।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की जरूरत : मोहन माझी

एजेंसी

भुवनेश्वर : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को पुरी में आयोजित ब्रिक्स डिजास्टर रिस्क रिडक्शन वर्किंग ग्रुप की तकनीकी बैठक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय एवं अंतर-राज्यीय सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन आपदा जोखिम न्यूनीकरण के वैश्विक प्रयासों को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच है।

मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण अब केवल एक क्षेत्रीय विषय नहीं रहा, बल्कि यह आर्थिक स्थिरता, सतत विकास और मानव सुरक्षा का प्रमुख आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, तीव्र शहरीकरण और पर्यावरणीय क्षरण के कारण दुनिया भर में आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है, जिससे बेहतर तैयारी और समन्वित कार्रवाई अनिवार्य हो गई है।

ओडिशा के अनुभवों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने "शून्य मृत्यु" सिद्धांत पर आधारित एक विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त आपदा प्रबंधन मॉडल विकसित किया है। राज्य ने वैज्ञानिक योजना, उन्नत पूर्व चेतावनी प्रणाली, मजबूत अवसंरचना, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से अपनी आपदा तैयारी क्षमता को लगातार मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा चक्रवात, लू, बिजली गिरने, तटीय क्षरण और शहरी जलवायु जोखिमों के प्रति संवेदनशील राज्य है। "ओडिशा का अनुभव दशार्ता है कि बेहतर तैयारी और मजबूत संस्थाएं आपदा प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं, लेकिन भविष्य की चुनौतियों के लिए और अधिक नवाचार तथा तकनीकी सहयोग आवश्यक होगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर केंद्रित नीति की भी सराहना की।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में नेपाल चार स्थान ऊपर चढ़कर 97वें स्थान पर पहुंचा

काठमांडू : विश्व के पासपोर्टों की ताकत को मापने वाली प्रतिष्ठित रिपोर्ट हेनले एंड पार्टनर्स के 'पासपोर्ट इंडेक्स' में नेपाल की स्थिति में सुधार दर्ज किया गया है। नई रिपोर्ट के अनुसार नेपाल पिछले वर्ष के मुकाबले चार स्थान ऊपर चढ़कर 97वें स्थान पर पहुंच गया है। सन 2025 में नेपाल 36 देशों में वीजा-मुक्त या आगमन पर वीजा सुविधा के साथ 101वें स्थान पर था। अब 2026 के नवीनतम सूचकांक में नेपाल 97वें स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, इस वर्ष नेपाल का वीजा-फ्री स्कोर 35 दर्ज किया गया है, फिर भी रैंकिंग में सुधार नेपाल के पासपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता में सकारात्मक बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

मप्र में 6 जून को होगी भारत-लैटिन अमेरिका और कैरिबियन व्यापार-निवेश फोरम 2026 की बैठक

लैटिन अमेरिका और 15 कैरिबियन देशों के राजनयिक-प्रतिनिधि होंगे शामिल, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में निवेश, निर्यात और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक साझेदारियों को नई गति देने के उद्देश्य से आगामी 6 जून को इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका और कैरिबियन व्यापार-निवेश फोरम 2026 की बैठक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस बैठक का शुभारंभ करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश लगातार वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के लिए आकर्षक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में राज्य सरकार के सहयोग से ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम द्वारा इंदौर के होटल रेडिसन ब्लू में इस महत्वपूर्ण फोरम का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि फोरम में लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र के 15 देशों के वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें विभिन्न देशों के राजदूत, एक उच्चायुक्त और एक महावाणिज्यदूत शामिल होंगे। इनके साथ निवेशक, निर्यातक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, व्यापार आयुक्त, एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और वरिष्ठ शासकीय अधिकारी सहित 350 से अधिक प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। चार प्रमुख वाणिज्य एवं उद्योग मंडल भी इसमें सहभागिता करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा निवेश संवर्धन और वैश्विक सहभागिता को लेकर किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियों, बेहतर अधोसंरचना, तेज निर्णय प्रक्रिया और निवेशक हितैषी वातावरण के माध्यम से नए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में यह फोरम भारत और लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण साबित होगा।

संक्षिप्त खबरें

होम क्रेडिट इंडिया ने बताया फिजूलखर्ची से बचने और वित्तीय भविष्य सुरक्षित करने के 3 स्मार्ट तरीके

नयी दिल्ली : अस्थिर बाजारों, बढ़ती महंगाई और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के इस दौर में, वित्तीय रूप से मजबूत होना अब कोई विकल्प नहीं बल्कि बेहद जरूरी हो गया है। इसके बावजूद, लंबी अवधि की संपत्ति के लिए सबसे बड़ा खतरा शायद ही कभी बाहरी दुनिया से आता है। यह हमारे रोजमर्रा के खर्च करने के व्यवहार में छिपा होता है। अपनी वित्तीय स्थिति को एक 'स्पेंड-ओ-मीटर' की तरह समझें—एक ऐसा पैमाना जो यह ट्रैक करता है कि आपकी कमाई कितनी तेजी से खर्च हो रही है। यदि इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह चुपचाप उस वित्तीय बुनियाद को कमजोर कर देता है जिसे आप बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यहां बताया गया है कि आपको किन बातों पर ध्यान देना है और अपनी वित्तीय स्थिति पर दोबारा नियंत्रण कैसे पाना है।

फिजूलखर्ची के 3 छिपे हुए जाल बिना सोचे-समझे खर्च करना: छोटी लीक, बड़ा नुकसान वन-क्लिक चेकआउट, सेम-डे डिलीवरी और हमे लक्ष्य करने वाले एल्गोरिद्मिक विज्ञापनों ने खर्च करना बेहद आसान बना दिया है। वह बिना योजना के खरीदा गया गैजेट, देर रात का फूड ऑर्डर, या वह फ्लैश सेल जिसे आप "छोड़ नहीं सकते थे"—ये सब उस वक्त बहुत मामूली लगते हैं। लेकिन ये छोटे और लगातार होने वाले खर्च समय के साथ मिलकर आपकी बचत को बड़ा नुकसान पहुंचाते हैं।

भावनाओं में बहकर खर्च करना: आज की राहत, कल से समझौता 'रिटेल थेरेपी' कभी-कभार के शौक से बदलकर अब एक आदत बन चुकी है। तनाव, बोरियत या एक खराब दिन अब कुछ ही सेकंड में खरीदारी में बदल सकता है। हालांकि इससे मिलने वाली अस्थायी राहत सच है, लेकिन इसका दीर्घकालिक नुकसान भी उतना ही सच है-लगातार भावनाओं में बहकर खर्च करने की आदत आपकी वित्तीय स्थिरता को धीरे-धीरे खत्म कर देती है। लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन: धन का खामोश कातिल सैलरी बढ़ने पर आपकी बचत बढ़नी चाहिए। लेकिन अक्सर, इसके बजाय आपके खर्च बढ़ जाते हैं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे स्टेटस को अपग्रेड करने का दबाव भी बढ़ता है—जैसे बेहतर अपार्टमेंट, बड़ी कार या महंगे कपड़े। लाइफस्टाइल में आने वाला यह धीमा बदलाव एक ऐसी ट्रेडमिल बना देता है, जहां आप कमाते तो ज्यादा हैं, लेकिन कभी भी आर्थिक रूप से सार्थक रूप से आगे नहीं बढ़ पाते। वित्तीय स्थिति को सुधारने की 3 आदतें

20% का नियम: सबसे पहले अपने भविष्य के लिए पैसे निकालें अपनी कमाई का एक भी रुपया खर्च करने से पहले, कम से कम 20% हिस्सा बचत के लिए अलग रख दें। इस ट्रांसफर को ऑटोमैटिक करने से पहले खर्च करने और बाद में बची-खुची रकम बचाने की आदत से छुटकारा मिल जाता है। समय के साथ, यह अनुशासन वास्तविक संपत्ति में बदल जाता है और बढ़ते खर्चों के खिलाफ एक स्वाभाविक सुरक्षा कवच का काम करता है। 48 घंटे का ठहराव: खरीदारी करने से पहले थोड़ा समय लें कोई भी गैर-जरूरी चीज खरीदने से पहले, खुद को 48 घंटे का वेटिंग पीरियड दें। अधिकांश मामलों में, खरीदारी करने की वह तीव्र इच्छा अपने आप शांत हो जाती है। यह सरल नियम बिना सोचे-समझे तुरंत खर्च करने की आदत पर रोक लगाता है और आपके खर्चों को एक सोची-समझी पसंद में बदल देता है। मासिक समीक्षा: जानें कि आपका पैसा कहाँ जा रहा है हर महीने अपने खर्चों की समीक्षा करने के लिए 30 मिनट का समय निकालें। अपने 'स्पेंड-ओ-मीटर' को केवल एक रिकॉर्ड की तरह नहीं, बल्कि एक डैशबोर्ड की तरह देखें। खर्चों के पैटर्न को शुरूआत में ही पकड़ लेने से—जैसे कोई सब्सक्रिप्शन जिसे आप भूल गए थे, या कोई ऐसा खर्च जो लगातार बढ़ रहा है—आपको छोटी गलत आदतों के बड़े नुकसान में बदलने से पहले ही उन्हें सुधारने का मौका मिल जाता है।

सीबीएसई ने त्रि-भाषा फामूर्ला मनमाने ढंग से लागू किया : कांग्रेस

नयी दिल्ली: कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पर ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली और कक्षा 9 एवं 10 में त्रि-भाषा फामूर्ले को जल्दबाजी में और मनमाने तरीके से लागू करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि इससे शैक्षणिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त हो जाएगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुरुवार को कहा कि दिसंबर 2025 में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने पाठ्यक्रम समिति की सिफारिश को स्पष्ट रूप से मंजूरी दी थी कि एनसीईआरटी द्वारा ग्रेडेड पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक मौजूदा भाषा व्यवस्था जारी रहे। इस निर्णय पर तत्कालीन चेयरमैन और सचिव ने हस्ताक्षर भी किए थे। इसके बावजूद मई 2026 में सीबीएसई ने परिपत्र जारी कर 01 जुलाई से कक्षा 9 एवं 10 में तीसरी भाषा जोड़ने का निर्देश दिया और स्कूलों से कहा कि वे कक्षा 6 की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों से 9वीं के छात्रों को पढ़ाएं। उन्होंने सवाल किया कि पिछले छह महीनों में आखिर क्या बदला, जबकि एनसीईआरटी ने कक्षा 9 एवं 10 के लिए कोई नई भाषा पाठ्यपुस्तक जारी नहीं की है। इस कदम का कोई शैक्षणिक औचित्य नहीं है और इससे लाखों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षा मंत्रालय और उसकी स्वायत्त संस्थाएं शिक्षा विशेषज्ञों की सलाह के बजाय राजनीतिक एजेंडे पर काम कर रही हैं। रमेश ने कहा कि जब जवाबदेही की बात आती है तो सीबीएसई के अधिकारियों को पद से हटाया जाता है। उन्होंने मांग की कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

अंगदान और जल संरक्षण से देश में आएगी नई सामाजिक क्रांति : सीआर पाटिल

अहमदाबाद: केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि अंगदान और जल संरक्षण से देश में नई सामाजिक क्रांति आएगी। उन्होंने अंगदान और समाजसेवा के क्षेत्र में देशमुख के योगदान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री पाटिल गुजरात के अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी के आर.के. रॉयल हॉल में गुरुवार को आयोजित डायलिसिस मरीज जागरूकता एवं अंगदान समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले दिलीपभाई देशमुख (दादा), डॉ. सिद्धार्थ मावाणी, डॉ. महेश पाटिल, डॉ. धीरन शाह, मयूर दवे, डॉ. हितेश देसाई तथा डॉ. प्रदीप शाह सहित अनेक चिकित्सक और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री पाटिल ने कहा कि एक सशक्त विचार से शुरु हुई यह मुहिम आज जनभागीदारी के बल पर एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में लीवर प्रत्यारोपण के बाद नया जीवन प्राप्त करने वाले दिलीपभाई देशमुख ने अपना जीवन अंगदान जागरूकता और समाज कल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। गुजरात में नर्मदा का पानी साबरमती और कच्छ तक पहुंचाने का कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। इसी तर्ज पर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना तथा राजस्थान की ईआरसीपी योजना पर भी कार्य चल रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902